ABOUT THE AUTHOR

प्रतीक शिवालिक
शिक्षक प्रशिक्षण में 13+ वर्ष का अनुभव
भूतपूर्व शिक्षक, केन्द्रीय विद्यालय, पटियाला

"प्रतीक शिवालिक" दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध शिक्षक प्रशिक्षक हैं। वह 2013 से शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। यहाँ तक कि दक्षिण भारत से भी छात्र उनसे पढ़ने आते हैं। वह अब तक हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। आप केंद्रीय विद्यालय शिक्षण परीक्षा और साक्षात्कार की तैयारी में इतने सफल हैं कि आपको भारत के प्रत्येक केंद्रीय विद्यालय में कम से कम एक शिक्षक मिल जाएगा जो कभी उनका छात्र था। उनके द्वारा बनाई गई टेस्ट सीरीज़ अपनी गुणवत्ता के लिए जानी जाती है और छात्रों द्वारा भारत में सर्वश्रेष्ठ रेटिंग प्राप्त की जाती है। उनके छात्रों ने केवीएस साक्षात्कार में 60/60 अंक (100% स्कोर) प्राप्त किए हैं। उनके छात्रों को DSSSB परीक्षा में पहली और दूसरी रैंक भी मिली है। उन्होंने स्वयं KVS में ऑल इंडिया रैंक 4, DSSSB में ऑल इंडिया रैंक 3 हासिल की है और 7 बार CTET टॉपर हैं। आप उन्हें Telegram और Youtube पर भी ढूंढ सकते हैं। उन्होंने पटियाला (पंजाब) के केंद्रीय विद्यालय, दिल्ली सरकार के विद्यालय तथा दिल्ली सरकार से सहायता प्राप्त विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य किया है।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!
CB2433

SUPER TET सहायक अध्यापक प्राथमिक स्तर भर्ती परीक्षा स्टडी बुक
ISBN - 978-93-6054-938-1
9 789360 549381
₹ 549

SUPER TET सहायक अध्यापक प्राथमिक स्तर भर्ती परीक्षा स्टडी बुक
CB2433
AGRAWAL EXAMCART

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

SUPER TET
सहायक अध्यापक
प्राथमिक स्तर भर्ती परीक्षा
सम्पूर्ण स्टडी बुक

1 Sep 2026 के परीक्षा पैटर्न अनुसार

क्रम संख्या	विषय	प्रश्नों की संख्या	समयावधि
1	भाषा: हिंदी, संस्कृत तथा अंग्रेजी	30	2 घंटे (120 मिनट)
2	विज्ञान	08	
3	गणित	16	
4	पर्यावरण एवं सामाजिक अध्ययन	08	
5	शिक्षण कौशल	08	
6	बाल मनोविज्ञान	08	
7	सामान्य ज्ञान/समसामयिक घटनाएँ	25	
8	तार्किक ज्ञान	05	
9	सूचना तकनीकी	04	
10	जीवन कौशल/प्रबंधन एवं अभिवृत्ति	08	

पहली पुस्तक जिसमे शिक्षाशास्त्र को NEP 2020 एवं NCF 2023 की GUIDELINES के अनुसार दिया गया है!

मुख्य विशेषताएँ

- **संपूर्ण थ्योरी** — NEP, NCF की Guidelines एवं NCERT की नवीनतम पाठ्यपुस्तकों और परीक्षा के पाठ्यक्रमानुसार थ्योरी
- **2300+ अभ्यास प्रश्न** — अध्यायवार महत्वपूर्ण प्रश्न
- **2 सॉल्व्ड पेपर्स** — वर्ष 2018 एवं 2019 के सॉल्व्ड पेपर्स (QR Code पर उपलब्ध)

Prateek Shivalik

Code	Price	Pages	ISBN
CB2433	₹549	588	978-93-6054-938-1

विषय सूची

➔ **परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना (Important Information)** **xi**
(UP Super TET प्राथमिक स्तर भर्ती परीक्षा की सम्पूर्ण जानकारी एवं पुस्तक या किसी भी समस्या के लिए हमारा Helpline No.)

➔ पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पैटर्न **xii**

सामान्य ज्ञान

(सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण, कम्प्यूटर एवं सामान्य जागरूकता)

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	**आधुनिक भारत का इतिहास एवं स्वाधीनता आंदोलन** • भारत में यूरोपियनों का आगमन • अंग्रेजों का भारतीय शासकों से युद्ध • भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना और इसके आर्थिक प्रभाव • 1857 का विद्रोह (प्रथम स्वतंत्रता संग्राम) • 19वीं शताब्दी में भारत में धार्मिक एवं समाज सुधार आन्दोलन • आदिवासी एवं किसान विद्रोह • भारत में निम्न जातीय आन्दोलन • ब्रिटिश भारत में मजदूर एवं राजनीतिक संगठन	**12**	**1-19**
2.	**हमारी सांस्कृतिक विरासत** • भारतीय वास्तुकला • भारत में चित्रकला का विकास • भारत में मूर्तिकला • भारत में संगीत और गीत कला • भारतीय नृत्य शैलियाँ • प्रमुख भारतीय लोक नृत्यों का वर्गीकरण • प्राचीनकाल के प्रसिद्ध नाटककार • भारत में भाषाएँ • भारतीय साहित्य • भारत में धर्म • भारत में प्रमुख त्यौहार • भारत के प्रमुख मेले	**9**	**20-34**
3.	**भारत का भूगोल** • भारतः क्षेत्रीय विस्तार • भारत का भौतिक विभाजन • भारत का नदी (अपवाह) तंत्र • भारत के प्रमुख दर्रे • भारत के प्रमुख ग्लेशियर • भारत की प्रमुख झीलें • भारत की जलवायु (उष्णकटिबंधीय मानसूनी) • भारत में प्राकृतिक वनस्पति • भारत में मृदा • भारत में कृषि • हरित क्रांति और अन्य क्रांतियाँ • भारत में सिंचाई और बहुद्देश्यीय परियोजनाएँ • भारत में खनिज संसाधन • भारत में उद्योग • भारत में ऊर्जा संसाधन • भारत में जनगणना 2011 • भारत की प्रजातियाँ और जनजातियाँ • भारत में परिवहन • यातायात एवं सड़क सुरक्षा	**11**	**35-54**

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
4.	**विश्व का भूगोल** • ब्रह्मांड और उसकी उत्पत्ति • आकाशगंगा और तारे • सौरमंडल • पृथ्वी की उत्पत्ति और आंतरिक संरचना • पृथ्वी की गतियाँ और भौगोलिक रेखाएँ • पृथ्वी पर महाद्वीप, द्वीप और भू–आकृतियाँ • वायुमण्डल • जलमंडल • विश्व की प्रमुख नदियाँ, नगर एवं झीलें	**10**	**55-63**
5.	**पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी** • पर्यावरण की अवधारणा एवं घटक • पारिस्थितिकी एवं संबंध • पारिस्थितिकी तंत्र • जैव विविधता एवं संरक्षण • भारत के संरक्षित क्षेत्र • पर्यावरण एवं प्रदूषण • प्राकृतिक आपदाएँ • वैश्विक जलवायु परिवर्तन • भारत के प्रमुख वन एवं वन्यजीव संस्थान • प्रमुख संग्रहालय एवं चिड़ियाघर • भारत में प्रमुख पर्यावरण संगठन, उनकी स्थापना, मुख्यालय और कार्यक्षेत्र • महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन और संधियाँ • महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार	**9**	**64-76**
6.	**भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था** • संविधान निर्माण और अंतरिम सरकार • भारतीय संविधान के स्रोत और विशेषताएँ • भारतीय संविधान की प्रस्तावना, भाग एवं अनुसूचियाँ • संघ और उसका राज्य क्षेत्र एवं नए राज्यों का निर्माण • नागरिकता • मौलिक अधिकार • राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत (DPSP) • मौलिक कर्तव्य • राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति • भारत का महान्यायवादी • भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) • संघीय कार्यपालिका : प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद • राज्यपाल • राज्य की कार्यपालिका: मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद • राज्य की विधायिका • भारतीय न्यायपालिका • स्थानीय स्वशासन • केंद्र और राज्य के संबंध • आपातकालीन उपबंध • चुनाव आयोग • राजभाषा • भारत में संवैधानिक संशोधन • भारत में संवैधानिक निकाय • भारत में गैर-संवैधानिक निकाय	**14**	**77-98**
7.	**अर्थशास्त्र एवं भारतीय अर्थव्यवस्था** • अर्थशास्त्र एवं अर्थव्यवस्था • आर्थिक वृद्धि एवं आर्थिक विकास • भारत में आर्थिक नियोजन एवं पंचवर्षीय योजनाएँ • राष्ट्रीय आय • गरीबी एवं बेरोजगारी • बैंकिंग • मुद्रा और उसका मूल्य • कर संरचना • आर्थिक सुधार, उदारीकरण और वैश्वीकरण • अंतर्राष्ट्रीय संगठन	**10**	**99-109**

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
8.	**कम्प्यूटर** • कम्प्यूटर: परिचय एवं विशेषताएँ • हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर • कम्प्यूटर की भाषाएँ • कम्प्यूटर नेटवर्क और इंटरनेट • इंटरनेट • संचार • माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस • मोबाइल टेलीफोन • साइबर सुरक्षा और संबंधित मुद्दे • ई-क्रांति • कम्प्यूटर से सम्बन्धित शब्द संक्षेप और उसकी फुल फॉर्म	16	110-124
9.	**सामान्य जागरूकता** • विश्व एवं भारत में प्रथम • भारत में सबसे बड़ा, छोटा, लम्बा, ऊँचा • विश्व में सबसे बड़ा, छोटा, लम्बा, ऊँचा • भारत के प्रमुख व्यक्ति और उनके उपनाम • राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष, सप्ताह तथा दिवस • भारत एवं विश्व के प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान • प्रमुख पुस्तकें एवं उनके लेखक • खेल • प्रमुख देशों के पक्षी राष्ट्रीय एवं पशु • विश्व के देशों की राजधानी एवं मुद्राएँ • राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन • भारत और विश्व में पर्यटन • प्रमुख स्थान एवं समाधि स्थल • प्रमुख देशों के राष्ट्रीय स्मारक एवं अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएँ	–	125-144
		कुल प्रश्न संख्या : 91	

विज्ञान

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	**भौतिक विज्ञान** • भौतिक राशियाँ, मापन एवं मात्रक • गति, चाल एवं वेग • बल एवं गुरुत्वाकर्षण • कार्य, ऊर्जा तथा सामर्थ्य • पदार्थ और उसके गुण • प्रकाश • ध्वनि	20	1-20
2.	**रसायन विज्ञान** • पदार्थ, परमाणु तथा अणु • रासायनिक परिवर्तन एवं अभिक्रियाएँ	15	21-30
3.	**जीव विज्ञान** • जीवों का वर्गीकरण • कोशिका एवं ऊतक • मानव शरीर के तंत्र • पोषण • सूक्ष्मजीव विज्ञान	14	31-53
		कुल प्रश्न संख्या : 49	

गणित

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	संख्या पद्धति	15	1-4
2.	म.स.प. एवं ल.स.प.	22	5-7
3.	वर्गमूल एवं घनमूल	24	8-9

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
4.	घातांक एवं करणी	20	10-11
5.	भिन्न एवं दशमलव संख्याएँ	13	12-13
6.	औसत	21	14-15
7.	अनुपात एवं समानुपात	19	16-18
8.	ऐकिक नियम	41	19-21
9.	प्रतिशतता	25	22-24
10.	लाभ–हानि एवं बट्टा	19	25-26
11.	साधारण ब्याज	17	27-28
12.	चक्रवृद्धि ब्याज	20	29-30
13.	समतलीय आकृतियों का क्षेत्रफल	13	31-34
14.	पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन	15	35-36
15.	बीजगणित	22	37-39
16.	ज्यामिति	18	40-44
17.	सांख्यिकी	9	45-46
18.	आँकड़ों का प्रबंधन	14	47-50
		कुल प्रश्न संख्या : 347	

तर्कशक्ति

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	सांकेतिक भाषा परीक्षण	30	1-4
2.	सादृश्यता परीक्षण	20	5-7
3.	वर्गीकरण	31	8-10
4.	रक्त सम्बन्ध	20	11-13
5.	दिशा परीक्षण	20	14-17
6.	शृंखला परीक्षण	29	18-19
7.	पासा और घन	20	20-23
8.	गणितीय संक्रियाएँ	20	24-26
9.	असमानता	20	27-29
10.	वेन आरेख	20	30-33
11.	कैलेण्डर और घड़ी	22	34-36
12.	पहेली परीक्षण	20	37-40
13.	आकृति सादृश्यता	20	41-43
14.	आकृति वर्गीकरण	20	44-46
15.	कथन एवं निष्कर्ष	20	47-49
16.	बाइनरी तर्क	9	50-51
17.	अभिकथन एवं कारण	20	52-55
		कुल प्रश्न संख्या : 361	

सामान्य हिंदी

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	वर्ण विचार	15	1-2
2.	शब्द विचार एवं शब्द भेद : (क) तत्सम-तद्भव, देशज-विदेशज (ख) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय	42	3-7
3.	संधि	30	8-9
4.	समास	10	10-11
5.	उपसर्ग एवं प्रत्यय	10	12
6.	वर्तनी/शब्द शुद्धि	25	13
7.	व्याकरणिक कोटियाँ: परसर्ग (कारक), लिंग, वचन, काल, वृत्ति, पक्ष एवं वाच्य	21	14-18
8.	विराम चिह्न	20	19-20
9.	रस, छंद एवं अलंकार	16	21-30
10.	शब्द ज्ञान: (क) पर्यायवाची शब्द (ख) विलोम शब्द (ग) समरूपी भिन्नार्थक शब्द (घ) वाक्यांशों के स्थान पर एक शब्द	54	31-33
11.	मुहावरे–लोकोक्तियाँ	20	34
12.	अनेकार्थी शब्द	11	35
13.	वाक्य रचना एवं अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना	15	36-37
14.	हिंदी साहित्य का इतिहास एवं अन्य भारतीय भाषाएँ	15	38-40
15.	प्रसिद्ध कवि, लेखक एवं उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ तथा हिंदी भाषा में पुरस्कार	15	41-43
16.	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश	12	44-45
		कुल प्रश्न संख्या : 331	

English

Chapter No.	Chapter Name (Complete Theory)	Practice Questions	Page No.
1.	Comprehension	6	1
2.	The Sentence	15	2-3
3.	The Noun : Kinds of Noun, Number & Gender	21	4-5
4.	The Pronoun	10	6-7
5.	The Adjectives and Their Kinds & Degrees	20	8-10
6.	The Verbs/Their Kinds & Subject-Verb-Agreement	16	11-13
7.	The Adverb	10	14
8.	The Preposition	21	15-16
9.	The Conjunction	15	17-18
10.	The Interjection	20	19
11.	The Tenses and Conditional Sentences	20	20-22
12.	Articles	5	23
13.	Interchange of Affirmative, Negative & Interrogative Sentences	5	24
14.	Punctuation	5	25
15.	The Formation of Words	8	26
16.	Phrasal Verbs	10	27

Chapter No.	Chapter Name (Complete Theory)	Practice Questions	Page No.
17.	Active and Passive Voice	8	28-29
18.	Narration	5	30-33
19.	Antonyms, Synonyms, One Word Substitution, Idioms and Phrases & Proverbs	55	34-36
20.	Miscellaneous : Question Tag, Spelling & Silent Letters in Words, Clauses & Synthesis of Sentences (Interchange of Simple, Compound and Complex Sentences), Figures of Speech & Writers, Their Works, Word Classes & Homophones	51	37-44
		Total Questions : 326	

संस्कृत

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	व्याकरण : वर्ण–परिचय, संज्ञा प्रकरण	25	1-3
2.	शब्द–विचार (सुबन्त–प्रकरण)	25	3-8
3.	धातु रूप (तिङन्त–प्रकरण)	20	9-12
4.	अव्यय–पद	15	13
5.	उपसर्गः	15	13-14
6.	प्रत्ययः	16	14
7.	सर्वनाम, विशेषण, लिंग तथा वाच्य–ज्ञान	30	15-18
8.	सन्धि–प्रकरण	15	18-24
9.	समास प्रकरण	25	25-27
10.	विलोम शब्दः	10	28
11.	पर्यायवाची शब्दः	10	28
12.	संस्कृत अनुवादः	15	28-32
13.	अशुद्धि–संशोधनम्	15	32-35
14.	अपठित गद्यांश तथा पद्यांश	46	35-38
		कुल प्रश्न संख्या : 282	

शिक्षण कौशल

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	शिक्षण की विधियाँ एवं कौशल	28	1-10
2.	शिक्षण और अधिगम के सिद्धान्त	28	10-17
3.	वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारम्भिक शिक्षा	5	17-23
4.	समावेशी शिक्षा	153	23-34
5.	प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास	11	34-42
6.	शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन	43	43-55
7.	आरम्भिक पठन कौशल	15	55-57
8.	शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन	11	57-58
	➢ महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न		59-72
		कुल प्रश्न संख्या : 294	

बाल मनोविज्ञान

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	बाल मनोविज्ञान का संप्रत्यय	13	1-7
2.	व्यक्तिगत विभिन्नता	50	7-9
3.	सीखने की आवश्यकता की पहचान	16	10-13
4.	पढ़ने के लिए वातावरण का सृजन करना	19	13-14
5.	अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त तथा कक्षा शिक्षण में इनकी व्यावहारिक उपयोगिता	52	14-23
6.	दिव्यांग छात्रों हेतु विशेष व्यवस्था	29	23-32
	➢ महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न		32-39
		कुल प्रश्न संख्या : 179	

सूचना तकनीकी

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	सूचना तकनीकी	15	1-7
		कुल प्रश्न संख्या : 15	

जीवन कौशल/प्रबंधन एवं अभिवृत्ति

अध्याय क्र.	अध्याय का नाम (सम्पूर्ण थ्योरी)	अभ्यास प्रश्न	पृष्ठ संख्या
1.	जीवन कौशल	6	1-2
2.	व्यावसायिक आचरण एवं नीति	6	2-4
3.	प्रेरणा	11	4-6
4.	शिक्षक की भूमिका (सुविधा प्रदाता, अनुश्रवणकर्ता, नेतृत्वकर्ता, मार्गदर्शक परामर्शदाता)	8	6
5.	संवैधानिक और मानवीय मूल्य	12	7-8
6.	दण्ड एवं पुरस्कार व्यवस्था का प्रभावी प्रयोग	12	8
	➢ महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न		8-10
		कुल प्रश्न संख्या : 55	

उत्तरमाला

➢ **उत्तरमाला** **1-12**

अतिरिक्त अध्ययन सामग्री ई-बुक
(Extra Study Material E-Book)

Extra Study Material ई-बुक का Content

- गणित एवं तर्कशक्ति के व्याख्यात्मक हल की ई-बुक
- वर्ष 2018 व 2019 के सॉल्व्ड पेपर्स की ई-बुक
- डिस्काउंट कूपन दिया गया है। उसका उपयोग करें और 'www.examcart.in' से हमारी किताबें सबसे अच्छे डिस्काउंट पर खरीदें।

नोट : **Link Expire** होने से पहले दिए गए **QR Code** को स्कैन करके आप यह **Extra Study Material E-Book** को **Download** कर लें।

ऐसी पुस्तकें जो कोई आपको बताना नहीं चाहता!

इन अनोखी पुस्तकों ने कई छात्रों को उनके पहले प्रयास में ही परीक्षा पास करने में मदद की है और हम जो कहते हैं, उसे साबित भी करते हैं—इसीलिए हर पुस्तक के कुछ सैंपल चैप्टर दिए गए हैं। हम गारंटी देते हैं कि इन्हें पढ़ने के बाद आपको समझ आएगा कि ये पुस्तकें क्यों सबसे बेहतरीन हैं और क्यों इतने सारे छात्र इनसे सफल हुए हैं।

नोट

पढ़ने के लिए, किसी भी पुस्तक के पास दिए गए **QR Code** को स्कैन करें, उसके वेबसाइट पेज पर **"View PDF"** पर क्लिक करें। अगर पुस्तक पसंद आए, तो **Extra Study Material** ई-बुक में दिया गया डिस्काउंट कूपन इस्तेमाल करें और बेहतरीन डिस्काउंट भी पाएँ!

KVS | NVS
(Guide Book)

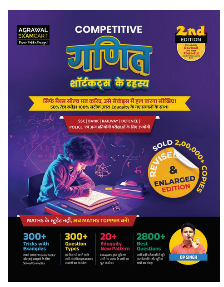

Competitive
गणित
(Text Book)

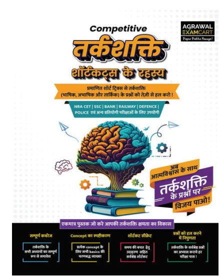

Competitive
तर्कशक्ति
(Text Book)

सामान्य विज्ञान
(Text Book)

Static
GK
(Text Book)

सामान्य
हिंदी
(Text Book)

Super TET
सहायक अध्यापक
(Practice Sets)

1
अध्याय

आधुनिक भारत का इतिहास एवं स्वाधीनता आंदोलन

भारत में यूरोपियनों का आगमन

यूरोपीय शक्तियों के भारत आगमन का क्रम है: **पुर्तगाली, डच, ब्रिटिश, डेनिश और फ्रांसीसी।**

- **पुर्तगाली**
  - **1487 ई.: बार्थोलोम्यू डियाज ने केप ऑफ गुड होप** की खोज की।
  - **17 मई, 1498 ई.: वास्को डी गामा, समुद्री मार्ग से भारत आने वाला पहला यूरोपीय, कालीकट पहुँचा और राजा जमोरिन ने उसका स्वागत किया।**
  - **1503 ई.: कोचीन में पहली पुर्तगाली फैक्ट्री** स्थापित हुई।
  - **फ्रांसिस्को डी अल्मेडा (1505–09 ई.): प्रथम पुर्तगाली गवर्नर। उसने 'शांत जल नीति' (Blue Water Policy)** का अनुसरण किया।
  - **अल्फांसो डी अल्बुकर्क (1509–15 ई.): भारत में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक** माना जाता है। उसने **1510 ई. में बीजापुर के सुल्तान से गोवा छीन लिया।**
  - अपने क्षेत्र में **सती प्रथा को प्रतिबंधित** किया।
  - **1530 ई.: नूनो डी कुन्हा ने राजधानी कोचीन से गोवा** स्थानांतरित की।
  - **1580 ई.: पुर्तगाल पर स्पेन के अधिकार के बाद शक्ति का ह्रास हुआ।**
  - **भारत** को **काजू मेवा से परिचय पुर्तगालियों ने करवाया** था।
  - **तम्बाकू और लाल मिर्च व आलू** : इन फसलों को भारत में सबसे पहले **पुर्तगालियों** द्वारा लाया गया था।
- **डच**
  - 1596 ई. में भारत आने वाला **पहला डच नागरिक कॉर्नेलियस डी हाउटमैन** था।
  - **1602 ई.: डच ईस्ट इंडिया कंपनी** की स्थापना हुई।
  - **1605 ई.: मसूलीपट्टनम में पहला कारखाना** स्थापित किया।
  - **पुलीकट (फोर्ट गैल्ड्रिया)** उनका **मुख्यालय** था, जिसका स्थान बाद में **नागपट्टिनम (1690 ई.) ने ले लिया।**
  - **बेदारा का युद्ध (25 नवंबर, 1759 ई.): अंग्रेजी सेना ने डच सेना को हराकर भारत में उनका प्रभुत्व समाप्त कर दिया।**
  - **डचों** ने ही **भारतीय सूती वस्त्र को निर्यात की वस्तु** बनाया।
- **ब्रिटिश**
  - **जॉन मिल्डेनहॉल (1599 ई.): भूमि मार्ग से भारत आने वाला पहला ब्रिटिश व्यक्ति।**
  - **31 दिसंबर, 1600 ई.: ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी (EIC) की स्थापना** हुई।
  - **1608 ई.: कैप्टन विलियम हॉकिन्स**, जहाँगीर के दरबार में आया, जिसे **'इंग्लिश खान'** की उपाधि मिली।
  - **1613 ई.: अंग्रेजों को सूरत में फैक्ट्री स्थापित करने की अनुमति मिली।**
  - **1612 ई.: स्वाली का युद्ध** लड़ा गया जिसमें **पुर्तगाली पराजित हुए।**
  - **1615 ई.: सर थॉमस रो जहाँगीर के दरबार में** आया।
  - **1632 ई.: गोलकुंडा के सुल्तान से 'सुनहरा फरमान'** प्राप्त किया।
  - **1661 ई.: पुर्तगालियों ने बम्बई द्वीप इंग्लैंड के शासक चार्ल्स द्वितीय को दहेज में दिया।**
  - **जेराल्ड ऑगियर (1669–77 ई.): बम्बई का प्रथम गवर्नर** और **बम्बई का संस्थापक।**
  - **1690 ई.: जॉब चार्नोक ने सुतनाती में कारखाना स्थापित** किया और उसे **कलकत्ता का संस्थापक** माना जाता है।
  - **1700 ई.: फोर्ट विलियम (कलकत्ता) की किलेबंदी** की गई।
  - **ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने अपना पहला डाकघर 1764 में बम्बई में स्थापित किया।**
- **डेनिश (डेन)**
  - **1616 ई.: पहला प्रतिनिधि भारत पहुँचा।**
  - **उनका भारतीय मुख्यालय सेरामपुर (बंगाल) में स्थित** था।
  - डेनिश लोगों ने अपनी प्रथम बस्ती **ट्रांक्यूबर** में बसाई थी।
  - **1845 ई.: उन्होंने अपनी सारी संपत्ति अंग्रेजों को बेच** दी।
- **फ्रांसीसी**
  - **1664 ई.: लुई XIV के मंत्री कोलबर्ट ने फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना** की।
  - **1668 ई.: फ्रांसिस कैरों ने सूरत में पहली फ्रांसीसी फैक्ट्री स्थापित** की।
  - **1673 ई.: फ्रेंको मार्टिन ने पांडिचेरी की स्थापना की** (वह **प्रथम फ्रांसीसी गवर्नर** भी था)।
  - **1742 ई.: फ्रांसीसी गवर्नर डूप्ले भारत आया।** वह **सहायक सन्धि प्रणाली का प्रयोग करने वाला पहला व्यक्ति** था।
  - बंगाल के नबाव **इब्राहिम खान** की अनुमति से **फांसीसियों ने चन्द्रनगर** में एक बस्ती बसाई।

अंग्रेजों का भारतीय शासकों से युद्ध

- **बंगाल पर ब्रिटिश आधिपत्य**
  - **पृष्ठभूमि:**
    - स्वतन्त्र बंगाल राज्य का संस्थापक **मुर्शीद कुली खाँ** था (जो मूल रूप से **सूर्य नारायण मिश्रा** नामक हिन्दू ब्राह्मण था)।
    - नवाब **अलीवर्दी खाँ** ने अंग्रेजों को मधुमक्खी की संज्ञा दी थी।

- **सिराजुद्दौला (1756–57 ई.):**
  - **ब्लैक होल त्रासदी (20 जून, 1756 ई.):** इस घटना के लेखक **जे. जेड. होलवेल** के अनुसार, नवाब ने 146 ब्रिटिश नागरिकों को एक कोठरी में बंद कर दिया, जिनमें से केवल 23 जीवित बचे। यह त्रासदी अंग्रेजों और सिराजुद्दौला के बीच लम्बे संघर्ष का कारण बनी।
  - **अलीनगर की संधि (02 जनवरी, 1757 ई.):** सिराजुद्दौला और रॉबर्ट क्लाइव के बीच हुई।
  - **प्लासी का युद्ध (23 जून, 1757 ई.):** **रॉबर्ट क्लाइव** के नेतृत्व वाली अंग्रेजी सेना ने **सिराजुद्दौला** को हराया। **मीर जाफर**, जगत सेठ और अन्य ने विश्वासघात किया। इस युद्ध को **भारत में ब्रिटिश शासन की औपचारिक नींव** माना जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखने वाला **रॉबर्ट क्लाइव** सन् **1743** में भारत आया था।
- प्लासी **भागीरथी नदी** (गंगा की सहायक) के तट पर बंगाल में स्थित है।

  - **मीर जाफर (1757–60 ई.):** प्लासी जीतने के बाद क्लाइव ने उसे नवाब बनाया। उसने कंपनी को **24 परगना** की जमींदारी दे दी।
  - **मीर कासिम (1760–63 ई.):** ब्रिटिश हस्तक्षेप से बचने के लिए उसने अपनी प्रशासनिक राजधानी **मुर्शीदाबाद से मुंगेर (बिहार)** स्थानांतरित कर दी। उसने अंग्रेजों के **दस्तक** (मुक्त व्यापार परमिट) के दुरुपयोग को रोकने के लिए व्यापारिक शुल्क और कर का लाभ समाप्त कर दिया।
- **बक्सर का युद्ध (22 अक्टूबर, 1764 ई.):**
  - **ब्रिटिश सेना** (हेक्टर मुनरो) ने **मीर कासिम**, **अवध के शुजाउद्दौला** और **मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय के त्रिपक्षीय गठबंधन को हराया।**
  - इस विजय ने **भारत पर ब्रिटिश प्रभुत्व को कानूनी मान्यता** स्थापित कर दी।
- **इलाहाबाद की संधियाँ (मई, 1765 ई.):**
  - **रॉबर्ट क्लाइव और शाह आलम द्वितीय:** कंपनी को ₹26 लाख वार्षिक भुगतान के बदले **बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी** (राजस्व अधिकार) प्राप्त हुई।
  - **रॉबर्ट क्लाइव और शुजाउद्दौला:** अवध के नवाब ने कंपनी को **₹ 50 लाख** युद्ध क्षतिपूर्ति का भुगतान किया।
- **बंगाल में द्वैध शासन प्रणाली (1765–72 ई.):** यह प्रणाली **रॉबर्ट क्लाइव** द्वारा स्थापित की गई और **वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1772 ई.** में इसे समाप्त कर दिया।

भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना और इसके आर्थिक प्रभाव

- **धन का निष्कासन सिद्धांत और औद्योगिक प्रभाव**
  - **औद्योगिक क्रांति का प्रभाव:** इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के बाद, ब्रिटिश निर्माताओं ने भारत से अधिक कच्चा माल लेने और अपने तैयार माल को भारत के बाजार में बेचने में रुचि दिखाई।
  - **व्यापार एकाधिकार की समाप्ति:** ब्रिटिश निर्माताओं के अभियान के कारण, **1813 ई.** तक भारतीय व्यापार पर ईस्ट इंडिया कंपनी का एकाधिकार लगभग समाप्त हो गया और भारत औद्योगिक इंग्लैंड का **आर्थिक उपनिवेश** बन गया।
  - **भारतीय उद्योगों का पतन:**
    - इंग्लैंड में यांत्रिक करघों द्वारा निर्मित **सस्ते कपड़ों** के बड़े पैमाने पर आयात के कारण भारतीय **हस्तशिल्प** उद्योगों के लिए खतरा बढ़ गया।
    - भारत में पहली जूट मिल **1854** में रिशरा, बंगाल में स्थापित की गई।
    - भारतीय हस्तशिल्प के निर्यात पर **भारी कर** लगाया जाता था।
    - भारत **वस्त्रों के निर्यातक** से बदलकर **कच्चे कपास का निर्यातक** और **ब्रिटिश कपड़ों का आयातक** बन गया, जिससे भारतीय हथकरघा उद्योग का पतन हुआ।

क्या आप जानते हैं?

- **धन का निष्कासन सिद्धांत** वर्ष **1867 ई.** में **दादाभाई नौरोजी** ने प्रस्तुत किया। इस सिद्धांत का उल्लेख उन्होंने अपनी पुस्तक **'पॉवर्टी एंड अन–ब्रिटिश रूल इन इंडिया' (1880 ई.)** में किया था।

- भू-राजस्व प्रणालियाँ

भू-राजस्व प्रणाली	वर्ष	लागूकर्ता	क्षेत्र	मुख्य प्रावधान
स्थायी बंदोबस्त	**1793 ई.**	**लॉर्ड कॉर्नवॉलिस**	बंगाल और बिहार	**जमींदारों** को भूमि का **वंशानुगत मालिक** माना गया। जमींदार राजस्व का **10/11** हिस्सा अंग्रेजों को देते थे। इसमें **'सूर्यास्त का नियम'** लागू था (जिसके तहत नियत तिथि पर सूर्यास्त से पहले राजस्व जमा करना होता था)। इसे **दरोगा प्रणाली** भी कहा जाता था।
महलवाड़ी बंदोबस्त	**1822 ई.**	**होल्ट मैकेन्जी**	उत्तर पश्चिमी प्रांत, पंजाब, गंगा घाटी	मूल्यांकन का आधार एक **महल या जागीर** (गाँव या गाँवों का समूह) होती थी। महल के सभी मालिक संयुक्त रूप से राजस्व भुगतान के लिए जिम्मेदार होते थे।

भू-राजस्व प्रणाली	वर्ष	लागूकर्ता	क्षेत्र	मुख्य प्रावधान
रैयतवाड़ी बंदोबस्त	–	**मुनरो** (मद्रास के गवर्नर) और **चार्ल्स रीड**	बंबई और मद्रास	भू–राजस्व सीधे **रैयतों** (व्यक्तिगत कृषकों) पर लगाया जाता था। किसान को तब तक भूमि का मालिक माना जाता था जब तक वह राजस्व का भुगतान करता था। यह व्यवस्था अर्थशास्त्री **कीन्स** के सिद्धान्त पर आधारित थी। ब्रिटिश भारत के 51%भाग पर लागू।

- **लॉर्ड डलहौजी के समय की महत्वपूर्ण घटनाएँ (1848–56 ई.)**
  - **पहला टेलीग्राफ: कलकत्ता से आगरा** तक पहला टेलीग्राफ **1854 ई.** में आरंभ किया गया था।
  - **रेलवे का विकास:**
    - **1853 ई.** में **बम्बई से ठाणे** तक चलने वाली पहली रेलवे लाइन यातायात के लिए खोली गई थी।
    - भारत में रेलवे लाइन बिछाने का मुख्य उद्देश्य देश के **कच्चे माल उत्पादक क्षेत्रों को बंदरगाहों से जोड़ना** था।

क्या आप जानते हैं?

- **डाक टिकट:** लॉर्ड डलहौजी ने नकद भुगतान की आवश्यकता को हटाते हुए **डाक टिकट** जारी किए।
- **ग्रांड ट्रंक रोड:** इसका पुनः निर्माण कार्य **1839 ई.** में शुरू हुआ और **1850** के दशक में खत्म हुआ।
- **सैन्य घटना: 1857** में **बैरकपुर में मंगल पांडे** ने लेफ्टीनेंट बाघ की हत्या कर दी थी।
- **वणिक पथ नील की खेती** से सम्बन्धित एक प्रणाली थी।

1857 का विद्रोह (प्रथम स्वतंत्रता संग्राम)

- **परिचय और कारण**
  - **परिचय:** यह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध **संगठित प्रतिरोध की पहली अभिव्यक्ति** थी, जो सिपाहियों के विद्रोह के रूप में शुरू हुआ और बाद में जनता ने भी इसमें हिस्सा लिया।
    - **अन्य नाम:** सिपाही विद्रोह (ब्रिटिश इतिहासकारों द्वारा), महान विद्रोह (भारतीय इतिहासकारों द्वारा), **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (विनायक दामोदर सावरकर** के अनुसार)।
    - **प्रतीक चिह्न: कमल और चपाती** था।
  - **तात्कालिक कारण:** सेना में नई **एनफील्ड राइफलों** के कारतूसों में **गाय और सूअर की चर्बी** होने की अफवाह। इन कारतूसों को लोड करने से पहले दाँतों से काटना पड़ता था।
    - **शुरुआत:** क्रांति की चिंगारी **29 मार्च 1857 ई.** को **बैरकपुर 34वीं इन्फेंट्री** के जवान **मंगल पांडे** के विद्रोह (लेफ्टीनेंट वाग और मेजर ह्यूसन की हत्या) के साथ हुई। उसे **08 अप्रैल, 1857** को फाँसी दी गई।
    - **विद्रोह का आरंभ: 10 मई, 1857** को **मेरठ** छावनी से हुआ।
  - **अन्य मुख्य कारण:**
    - **राजनीतिक: व्यपगत का सिद्धांत (Doctrine of Lapse)**, जिसके तहत **सतारा (1848 ई.), झाँसी (1854 ई.), नागपुर (1854 ई.)** आदि को मिलाया गया। **कुशासन के बहाने अवध पर अधिकार (1856 ई.)** करना।
    - **सैन्य:** भारतीय सिपाहियों को निम्नतर माना जाना और **जनरल सर्विसेज एनलिस्टमेंट एक्ट (1856 ई.)** द्वारा समुद्र पार सेवा अनिवार्य करना (जिसे धर्म के विरुद्ध माना जाता था)।
    - **सामाजिक/धार्मिक:** अंग्रेजों द्वारा किए गए सुधारों को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप माना गया (जैसेः ईसाई धर्म में परिवर्तित व्यक्ति को पैतृक संपत्ति की अनुमति)।
- **विद्रोह के प्रमुख केंद्र एवं नेता**

केंद्र	भारतीय नेता	ब्रिटिश कमांडर	विद्रोह की तिथि	दमन की तिथि
दिल्ली	बहादुर शाह जफर और बख्त ख़ान	जॉन निकोल्सन	11 मई, 1857	20 सितम्बर, 1857
कानपुर	नाना साहब और तात्या टोपे	कॉलिन कैम्पबेल	04 जून, 1857	06 दिसम्बर, 1857
लखनऊ	बेगम हजरत महल	कॉलिन कैम्पबेल	04 जून, 1857	21 मार्च, 1858
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	सर ह्यू रोज	04 जून, 1857	18 जून, 1858
इलाहाबाद	लियाकत अली	कर्नल नील	05 जून, 1857	मार्च, 1858
जगदीपुर (बिहार)	कुंवर सिंह और अमर सिंह	विलियम टेलर और विंसेंट आइयर	अगस्त, 1857	दिसम्बर, 1858
बरेली	खान बहादुर ख़ान	ह्यूम	1857 ई.	1858 ई।
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	कर्नल नील	1857 ई.	1858 ई।
फतेहपुर	अजीमुल्ला	जनरल रेनार्ड	1857 ई.	1858 ई।

क्या आप जानते हैं?

- **जगदीशपुर** में **कुँवर सिंह** के नेतृत्व में **अंतरिम सरकार** का गठन किया गया था।
- रानी लक्ष्मीबाई की बहादुरी से प्रसन्न होकर **कैप्टेन ह्यूरोज** ने कहा था कि **'सिपाहियों में सोई हुयी यह अकेली मर्द है।'**
- **अवध** में विद्रोह की प्रबलता **सबसे अधिक** थी।

- **विफलता के कारण और परिणाम**
  - **विफलता के कारण:**
    - **कमजोर संगठन** और भारतीयों के व्यक्तिगत हित।
    - **पूर्ण राष्ट्रवाद का अभाव** (सिंधिया, होल्कर, निजाम आदि ने अंग्रेजों की मदद की)।
    - भारतीय मध्यवर्ग ने विद्रोह में भाग नहीं लिया।
  - **विद्रोह के परिणाम:**
    - **ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत** हो गया।
    - **भारत सरकार अधिनियम, 1858** के अनुसार, भारत अब **ब्रिटिश क्राउन के सीधे शासन** के अधीन आ गया था। **(1 नवम्बर, 1858** को रानी विक्टोरिया ने यह घोषणा की थी।)
    - **डॉक्ट्राइन ऑफ लैप्स (हड़पनीति)** को वापस ले लिया गया।
    - **गवर्नर जनरल** का कार्यालय **वायसराय** के कार्यालय द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया।
    - **लॉर्ड कैनिंग भारत का प्रथम वायसराय** बना।
    - विद्रोह की जाँच के लिए **पील कमीशन** का गठन किया गया, जिसने भारतीय सैनिक और ब्रिटिश सैनिकों का सेना में अनुपात **2 : 1** करा दिया।

क्या आप जानते हैं?

- **1857 के विद्रोह** के समय ब्रिटेन का प्रधानमंत्री **पामरर्स्टन** था।
- विद्रोह को **वी.डी. सावरकर** ने **'प्रथम राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम'** कहा था, जबकि **आर.सी. मजूमदार** ने कहा था कि **'विद्रोह न तो पहला था, न ही यह राष्ट्रीय था, न ही यह स्वतंत्रता का युद्ध था।'**

19वीं शताब्दी में भारत में धार्मिक एवं समाज सुधार आन्दोलन

- **राजा राममोहन राय और ब्रह्म समाज (1828)**
  - **उपाधियाँ:** उन्हें **'नवदिन प्रातः का तारा'**, **'पुनर्जागरण का पिता'**, **'आधुनिक भारत का पिता'** और **'युगदूत'** (सुभाष चंद्र बोस द्वारा) कहा जाता है।
  - **प्रयास:** भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे **सती प्रथा**, बाल विवाह और जातिवाद के विरोध में आन्दोलन चलाने वाले वह प्रथम भारतीय थे।
  - **सती प्रथा का अंत:** उनके प्रयासों से गवर्नर जनरल **लॉर्ड विलियम बैंटिंक** ने **1829 ई.** में **धारा 17** के तहत **सती प्रथा** पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगा दिया।
  - **संस्थापनाएँ:**
    - **आत्मीय सभा (1815 ई.):** जो बाद में **ब्रह्म समाज** में परिवर्तित हुई।
    - **वेदान्त कॉलेज (1825 ई.)**
    - **कलकत्ता हिन्दू कॉलेज : 20 जनवरी 1817 राजा राममोहन राय द्वारा डेविड हेयर, सर एडवर्ड हाइड ईस्ट** के सहयोग से।
    - **ब्रह्म समाज (1828 ई.):** इसका उद्देश्य **मूर्ति पूजा, पाखण्ड मुक्ति** और **जातिवाद का विरोध** करना था।
  - **पत्र–पत्रिकाएँ: संवाद कौमुदी (बंगाली), मिरातुल अखबार** (फारसी)।
  - **'राजा' की उपाधि:** उन्हें मुगल शासक **अकबर द्वितीय** ने दी थी।
  - **ब्रह्म समाज का विभाजन (राय की मृत्यु के बाद):**
    - **आदि ब्रह्म समाज: केशवचन्द्र सेन**
    - **साधारण ब्रह्म समाज: आनन्द मोहन बोस**
  - **राजशेखरा चारित्रम के लेखक व तेलगु आंदोलन के जनक वीरेश लिङ्गम पनतुलु को आंध्र प्रदेश का राजा राममोहन राय कहा जाता था।**

- **प्रमुख हिन्दू धार्मिक–सामाजिक सुधारक**
  - **ईश्वरचन्द्र विद्यासागर:** इनके प्रयासों से **1856 ई.** में गवर्नर जनरल **लॉर्ड डलहौजी** के समय **विधवा पुनर्विवाह अधिनियम** पारित किया गया।
  - **स्वामी दयानंद सरस्वती (आर्य समाज):**
    - **बचपन का नाम: मूलशंकर**।
    - **नारा: 'वेदों की ओर लौटो'** और **'भारत भारतीयों के लिए'**।
    - **संस्थापना:** आर्य समाज (1875 ई.) बम्बई में (मुख्यालय 1877 में लाहौर)।
    - **शुद्धि आन्दोलन:** पुनः हिन्दू धर्म में परिवर्तित करने के लिए चलाया।
    - **पुस्तकें: सत्यार्थ प्रकाश** (जिसे आर्य समाज का 'बाइबल' कहा जाता है), **पाखण्ड खण्डिनी (1863 ई.** में पताका फहराई)।
    - उन्होंने पहली बार **स्वराज** शब्द का प्रयोग किया और **हिंदी** को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया। आर्य समाज को **'भारत में अशांति का जनक'** (वेलेन्टीन शिरोल द्वारा) कहा गया था।
  - **स्वामी विवेकानंद (रामकृष्ण मिशन):**
    - **बचपन का नाम: नरेन्द्रनाथ दत्त। विवेकानंद** नाम महाराजा खेतड़ी ने दिया था।
    - **गुरु: रामकृष्ण परमहंस**।
    - **धर्म संसद: 1893 ई.** में **शिकागो में** आयोजित द्वितीय धर्म सम्मेलन में भाग लिया।
    - **मिशन: रामकृष्ण मिशन (1897 ई.)** की स्थापना की।
  - **एनी बेसेन्ट (थियोसोफिकल सोसाइटी):**
    - **स्थापना (1875 ई.):** मैडम एच.पी. ब्लावत्सकी एवं कर्नल एच.एस. आलकॉट द्वारा न्यूयॉर्क में।
    - **मुख्यालय:** भारत में **आड्यार (मद्रास)** में स्थापित किया गया।
    - **शैक्षणिक कार्य : सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज, बनारस (1898 ई.)** की स्थापना की, जो बाद में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (1916) बना।

- ❖ **अन्य प्रमुख तथ्यः**
  - **एम.जी. रानाडेः** उन्हें **'महाराष्ट्र का सुकरात'** कहा जाता है। **पूना सार्वजनिक सभा (1870)** की स्थापना की।
  - **डी.के. कर्वेः 1906 ई.** में मुम्बई में **प्रथम महिला विश्वविद्यालय** की स्थापना की।
  - **हेनरी विवियन डेरोजियोः यंग बंगाल आन्दोलन** की शुरुआत की, उन्हें **'प्रथम राष्ट्रवादी कवि'** कहा जाता है।
  - **गोपाल हरि देशमुखः** उन्हें **'लोकहितवादी'** कहा जाता है।

- **महिला एवं अन्य सामाजिक–धार्मिक आन्दोलन**
  - ❖ **विधवा/बाल विवाह से संबंधित अधिनियम/संघः**
    - **एज ऑफ कंसेट एक्ट (1891 ई.)ः** एस. एस. बंगाली और वी. एम. मालबारी के प्रयासों से पारित।
    - **शारदा एक्ट (1930 ई.)ः** हरिविलास शारदा के प्रयासों से लागू। **अधिनियम** के अनुसार प्रारंभिक रूप से विवाह की न्यूनतम आयु थीः
      - ❒ **लड़कों के लिएः** 18 वर्ष
      - ❒ **लड़कियों के लिएः** 14 वर्ष
    - **भारत स्त्री महामण्डल (1910)ः सरला देवी चौधरानी** ने कलकत्ता में स्थापना की।
  - ❖ **मुस्लिम धर्म सुधार आन्दोलनः**
    - **अलीगढ़ आन्दोलन (1875 ई.)ः** प्रणेता **सर सैयद अहमद खाँ** थे, जिन्हें **'मुस्लिम पुनर्जागरण का जनक'** माना जाता है। उन्होंने **अलीगढ़ ऐंग्लो–मुस्लिम ओरिएंटल कॉलेज (1875)** की स्थापना की।
    - **देवबन्द आन्दोलन (1866 ई.)ः** कासिम ननोतवी और राशिद अहमद गंगोह ने सहारनपुर में शुरू किया। यह **अंग्रेजों के खिलाफ** था।
    - **अहमदिया आन्दोलन (1889 ई.)ः** मिर्जा गुलाम अहमद ने शुरू किया।
  - ❖ **सिख धर्म सुधार आन्दोलनः सिंह सभा आन्दोलन (1873 ई.)** के साथ शुरुआत हुई।

महत्वपूर्ण सुधार अधिनियम/उन्मूलन	वर्ष	गवर्नर जनरल/व्यक्ति
शिशु हत्या पर प्रतिबंध	**1795 (बंगाल अधिनियम), 1802 (लॉर्ड वेलेजली)**	–
ठगी प्रथा का उन्मूलन	**1831–37**	विलियम स्लीमन के प्रयासों से **विलियम बेंटिक** द्वारा।
दास प्रथा का पूर्णतः उन्मूलन	**1843**	**लॉर्ड एलेनबरो** द्वारा।
सती प्रथा का उन्मूलन	**1829**	राजा राममोहन राय के प्रयासों से **लॉर्ड विलियम बैंटिंक** द्वारा।
विधवा पुनर्विवाह को स्वीकृति	**1856**	ईश्वर चंद्र विद्यासागर के प्रयासों से।

आदिवासी एवं किसान विद्रोह

आन्दोलन	स्थान/वर्ष	प्रमुख नेता	महत्वपूर्ण तथ्य
संन्यासी विद्रोह	बिहार और बंगाल (1760-1800 ई.)	केना सरकार, द्विज नारायण	**बंकिम चंद्र चटर्जी** द्वारा लिखित पुस्तक **'आनंद मठ'** में उल्लेखित।
चुआर विद्रोह	बांकुरा, बंगाल (1769-1809 ई.)	जगन्नाथ सिंह, **रानी शिरोमणि**	इसे **जंगल महल आंदोलन** के नाम से भी जाना जाता है।
पहाड़िया विद्रोह	संथाल, झारखण्ड (1772-1782 ई.)	रमना आहारी, रानी सर्वेश्वरी	यह **झारखंड का पहला आदिवासी विद्रोह** था। **तिलका मांझी** (जबरा पहाड़िया) ने **1784 ई.** में अंग्रेज अधिकारी **ऑगस्टस क्लीवलैंड** को मारा।
हो विद्रोह	छोटा–नागपुर पठार (1820 ई.)	राजा परहत	–
रामोसी विद्रोह	पश्चिमी घाट (1822 ई.)	**चित्तूर सिंह/उमाजी नायक**	–
अहोम विद्रोह	असम (1828 ई.)	**गोमधर कुँवर**	अहोमों की ऐतिहासिकता को **बुरांजी** के नाम से जाना जाता है।
खेर विद्रोह	छोटा–नागपुर पठार (1833 ई.)	**बुद्ध भगत**	–
संथाल विद्रोह	बंगाल और बिहार (1855-56 ई.)	**सिद्धू और कान्हू**	इसका प्रमुख केंद्र **दामिन–ए–कोह (अशांत क्षेत्र)** था, जिसे 1832 ई. में अंग्रेजों ने चिह्नित किया था।

आन्दोलन	स्थान/वर्ष	प्रमुख नेता	महत्वपूर्ण तथ्य
नील विद्रोह	बंगाल (1859-60 ई.)	**विष्णु और दिगम्बर विश्वास**	–
मुंडा विद्रोह	झारखण्ड (1899-1900 ई.)	**बिरसा मुंडा**	बिरसा मुंडा ने 1895 ई. में स्वयं को **ईश्वर का दूत** घोषित किया।
मोपला विद्रोह	मालाबार, केरल (1920-22 ई.)	**अली मुसलियार**	–
रम्पा विद्रोह	आंध्र प्रदेश (1879-1922 ई.)	**सीताराम राजू**	यह **कोया और कोंडा जनजातियों** द्वारा शुरू किया गया था।
कूका विद्रोह	पंजाब (1840 ई.)	**रामसिंह/भगत जवाहर मल**	राम सिंह को **रंगून** में निर्वासित किया गया था।
तेलंगाना/तब्भागा	आंध्र/बंगाल (1946 ई.)	**कुमैया और सुरवैया/राम कर्ण**	ये भारत की स्वतंत्रता के निकट के बड़े किसान आन्दोलन थे।
दक्कन विद्रोह	महाराष्ट्र (1874-75 ई.)	**वासुदेव बलवंत फड़के**	–

भारत में निम्न जातीय आन्दोलन

निम्न जातीय उत्थान आन्दोलन की शुरुआत **ज्योतिबा फुले** ने की, जिन्होंने **महाराष्ट्र में सत्य शोधक समाज (1873 ई.)** की स्थापना की और **'गुलामगिरी'** पुस्तक लिखी।

- **श्री नारायण गुरु** ने **'एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर'** का दर्शन प्रतिपादित किया और **अरविप्पुरम आन्दोलन (1888 ई.)** चलाया।
- **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर** ने **बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1924 ई.)** और **अखिल भारतीय दलित वर्ग संघ** की स्थापना की। उन्होंने **'बहिष्कृत भारत'** पत्रिका निकाली और **1927 में मन्दिर प्रवेश आन्दोलन** शुरू किया।
- **ई.वी. रामास्वामी नायकर ('पेरियार')** ने दक्षिण भारत में **आत्म–सम्मान आन्दोलन (1925 ई.)** चलाया।
- **महात्मा गांधी** ने दलित उत्थान के लिए **हरिजन सेवक संघ (1932 ई.)** की स्थापना की और **'हरिजन'** नामक पत्र निकाला।

प्रमुख निम्न जातीय संगठन

संगठन/आन्दोलन	वर्ष	संस्थापक/नेता
सतनामी आन्दोलन	1920 ई.	**गुरु घासीदास** (मध्य भारत)
जस्टिस पार्टी (न्याय आन्दोलन)	1915–16 ई.	सी.एन. मुदालियर, टी.एम. नायर (मद्रास)
आत्म–सम्मान आन्दोलन	1925 ई.	**ई.वी. रामास्वामी नायकर पेरियार (मद्रास)**
वायकोम सत्याग्रह	1924 ई.	के. पी. केशव (त्रावणकोर)
बहुजन समाज	1910 ई.	मुकुंदराव पाटिल (सतारा)

ब्रिटिश भारत में मजदूर एवं राजनीतिक संगठन

- **ब्रिटिश भारत में मजदूर आन्दोलन**
  - ब्रिटिश भारत में मजदूरों की पहली हड़ताल **नागपुर** में हुई। मजदूरों की पहली संगठित हड़ताल **रेलवे** के विरुद्ध **1899 ई.** में हुई थी। **1923** में नागपुर में ही झण्डा सत्याग्रह शुरू हुआ।
    - **बाम्बे हेण्डमिल एसोसिएशन (1880 ई.)**: संस्थापक **एम.एन. लोखंडे** थे।
    - **मद्रास श्रमिक संघ (1918 ई.)**: भारत के पहले संगठित ट्रेड यूनियनों में से एक।
    - **अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (AITUC) (1920 ई., बम्बई)**: संस्थापक **एम.एन. जोशी** थे और **लाला लाजपत** राय इसके **प्रथम अध्यक्ष** थे।
    - **अखिल भारतीय किसान सभा (1936 ई., लखनऊ)**: संस्थापक **स्वामी सहजानंद सरस्वती** थे।
- **कांग्रेस की स्थापना से पूर्व राजनीतिक संस्थाएँ (1838–1885 ई.)**
  - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885) की स्थापना से पहले कई राजनीतिक संस्थाएं बनीं:

संगठन का नाम	वर्ष	संस्थापक	स्थान
लैण्ड होल्डर्स सोसाइटी	1838 ई.	**द्वारिकानाथ टैगोर**	कलकत्ता
ईस्ट इंडिया एसोसिएशन	1866 ई.	**दादाभाई नौरोजी**	लंदन
पूना सार्वजनिक सभा	1867 ई.	**एम.जी. रानाडे**	मुम्बई (महाराष्ट्र)
इंडियन एसोसिएशन	1876 ई.	**सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आनंद मोहन बोस**	कलकत्ता
बम्बई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	1885 ई.	**फिरोजशाह मेहता, के.टी. तैलंग, तैयबजी**	बम्बई

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः एक परिचय :

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना **28 दिसम्बर, 1885** को **बम्बई** के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में हुई थी। इसकी स्थापना का श्रेय एक सेवानिवृत्त ब्रिटिश अधिकारी, **ए. ओ. ह्यूम (A. O. Hume)** को जाता है, जिन्हें 1912 में उनकी मृत्यु के बाद 'कांग्रेस का जनक' कहा गया।

- **स्थापना से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य**
  - **प्रथम अध्यक्षः** व्योमेशचन्द्र बनर्जी (W.C. Banerjee) ने पहले अधिवेशन की अध्यक्षता की, जिसमें कुल **72** प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
  - **उद्देश्यः** माना जाता है कि ह्यूम ने इसकी स्थापना **'सेफ्टी वाल्व'** के रूप में की थी, ताकि भारतीयों में ब्रिटिश शासन के प्रति पनप रहे असंतोष को एक सुरक्षित मार्ग मिल सके और एक बड़ा विद्रोह टाला जा सके।

- **तत्कालीन वायसराय:** लॉर्ड डफरिन (Lord Dufferin) इस समय भारत के वायसराय थे। उन्होंने ही कांग्रेस के बारे में कहा था कि कांग्रेस 'अत्यन्त सूक्ष्म लोगों का प्रतिनिधित्व करती है।'
- **योजना में बदलाव:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन मूल रूप से **पुणे** में होना था, लेकिन प्लेग फैलने के कारण इसे **बम्बई (मुंबई)** में आयोजित किया गया।

- **कांग्रेस के बारे में महत्वपूर्ण कथन :** कांग्रेस की स्थापना के समय और बाद में कई प्रमुख व्यक्तियों ने इसके स्वरूप और कार्यशैली पर टिप्पणियाँ कीं:
  - **लॉर्ड कर्जन:** 'कांग्रेस लड़खड़ा कर गिर रही है मेरी इच्छा है कि मैं इसे शान्तिपूर्वक तरीके से इसके मरने में मदद कर सकूँ।'
  - **बंकिम चटर्जी: 'कांग्रेस के लोग पदों के भूखे हैं।'**
  - **बाल गंगाधर तिलक:** कांग्रेस को **'मेढ़कों का समूह'** कहा।
  - **अश्विनी कुमार दत्त:** कांग्रेस अधिवेशनों को **'तीन दिन का तमाशा'** कहा।
  - **विपिन चन्द्र पाल:** कांग्रेस को **'याचना करने वाली संस्था'** कहा।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रारंभिक और महत्वपूर्ण अधिवेशन

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	विशेष तथ्य/घटना
1885	बम्बई	**व्योमेशचन्द्र बनर्जी**	प्रथम अधिवेशन **72** प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
1887	मद्रास	**बदरुद्दीन तैयबजी**	कांग्रेस के **प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष।**
1888	इलाहाबाद	**जॉर्ज यूल**	कांग्रेस के **प्रथम अंग्रेज अध्यक्ष।**
1896	कलकत्ता	**रहीमतुल्ला सयानी**	पहली बार **वंदेमातरम्** गाया गया।
1906	कलकत्ता	**दादाभाई नौरोजी**	पहली बार **'स्वराज'** शब्द का प्रयोग किया गया।
1907	सूरत	**डॉ. रासबिहारी घोष**	**कांग्रेस का प्रथम विभाजन** (नरम दल और गरम दल)।
1911	कलकत्ता	**पं. बिशेनारायण धर**	पहली बार **जन गण मन** (राष्ट्रगान) गाया गया।
1916	लखनऊ	**अंबिकाचरण मजूमदार**	**कांग्रेस–लीग समझौता** (लखनऊ पैक्ट)। गरम और नरम दल फिर से एक हुए।
1917	कलकत्ता	**श्रीमती एनी बेसेंट**	कांग्रेस की **प्रथम महिला अध्यक्ष।**
1924	बेलगाम	**महात्मा गांधी**	महात्मा गांधी द्वारा एकमात्र बार अध्यक्षता।
1925	कानपुर	**श्रीमती सरोजिनी नायडू**	कांग्रेस की **प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष।**
1929	लाहौर	**पं. जे.एल. नेहरू**	**'पूर्ण स्वराज'** की मांग का प्रस्ताव पारित किया गया।
1931	कराची	**सरदार वल्लभ भाई पटेल**	**मौलिक अधिकार** का प्रस्ताव पारित हुआ। गाँधी ने कहा था **'गाँधी मर सकते हैं, परन्तु गाँधीवाद हमेशा जिन्दा रहेगा।'**
1937	फैजपुर	**पं. जवाहरलाल नेहरू**	**गाँव में आयोजित** होने वाला प्रथम अधिवेशन।
1946	मेरठ	**आचार्य जे.बी. कृपलानी**	**भारत की आजादी** के समय कांग्रेस के अध्यक्ष थे।

- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**
  - **पूर्ववर्ती संगठन:** भारतीय राष्ट्रीय संघ (Indian National Association) को कांग्रेस का पूर्ववर्ती संगठन माना जाता है। इसकी स्थापना **1876** में **सुरेन्द्रनाथ बनर्जी** ने की थी।
  - **महिलाओं की भागीदारी:**
    - पहली बार महिलाओं ने कांग्रेस के **1889 (बंबई)** अधिवेशन में भाग लिया।
    - **कादम्बिनी गांगुली** (1890, कलकत्ता अधिवेशन) कांग्रेस अधिवेशन को **संबोधित** करने वाली प्रथम महिला थीं।
  - **गांधी जी:** महात्मा गांधी **1901 में** कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार कांग्रेस के मंच पर पहुँचे थे।
  - **विभाजन:** कांग्रेस का दूसरा विभाजन **1918** के बम्बई के विशेष अधिवेशन में हुआ था, जिसके अध्यक्ष हसन इमाम थे।
  - **सबसे युवा अध्यक्ष:** अबुल कलाम आजाद (1923, दिल्ली विशेष अधिवेशन)। वह बाद में सबसे लंबे समय तक (1940–1946) अध्यक्ष भी रहे।
  - **कोई अधिवेशन नहीं: 1935** में कांग्रेस का कोई अधिवेशन नहीं हुआ।
- **भारत में प्रेस और पत्रकारिता का विकास :** भारत में मुद्रण (प्रेस) की शुरुआत **1556 ई. में पुर्तगालियों** द्वारा गोवा में हुई थी, जिसके बाद पहली पुस्तक 1557 ई. में ईसाई पादरियों द्वारा प्रकाशित की गई। आधुनिक भारतीय पत्रकारिता का जनक **जेम्स आगस्टस हिक्की** को माना जाता है, जिन्होंने 1780 में भारत का पहला समाचार पत्र **'बंगाल गजट'** कलकत्ता से प्रकाशित किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, प्रेस ने राष्ट्रीय भावना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे ब्रिटिश सरकार ने इसे नियंत्रित करने के प्रयास किए।
  - **वर्नाक्युलर प्रेस अधिनियम (1878):** लॉर्ड लिटन द्वारा पारित यह अधिनियम देशी भाषा के समाचार पत्रों को 'देशद्रोही सामग्री' छापने से रोकने के लिए था और इसमें सम्पत्ति जब्त करने का प्रावधान था।
  - **प्रेस का मुक्तिदाता:** लॉर्ड रिपन ने 1881 ई. में इस दमनकारी अधिनियम को निरस्त कर दिया, जिसके कारण उन्हें **'भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता'** कहा जाता है।
  - **भाषा परिवर्तन: 'अमृता बाजार पत्रिका'** (संस्थापक: शिशिर कुमार घोष) ने वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट के प्रतिबंधों से बचने के लिए रातोंरात बंगाली से अंग्रेजी में बदलना पड़ा।

- ❖ **पहले पत्रकार बंदी: सुरेन्द्रनाथ बनर्जी** 1883 में जेल जाने वाले देश के पहले पत्रकार बने।

- **स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रमुख लेखक और प्रकाशन :** भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अनेक नेताओं ने अपने विचारों को जन–जन तक पहुँचाने के लिए समाचार पत्रों और पुस्तकों का सहारा लियाः
  - ❖ **बाल गंगाधर तिलक:** उन्होंने **'केसरी'** (मराठी दैनिक) और **'मराठा'** (अंग्रेजी दैनिक) का संपादन किया। 'केसरी' सरकार का सबसे बड़ा आलोचक था। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक **'गीता रहस्य'** है।
  - ❖ **महात्मा गांधी:** उन्होंने **'यंग इंडिया'**, **'हरिजन'** और **'नवजीवन'** जैसे पत्रों का संपादन किया। उनकी प्रसिद्ध आत्मकथा **'माई एक्सपेरिमेंट्स विद द ट्रुथ'** है।
  - ❖ इंडिया इन माइ ड्रीमस (India in my dreams) महात्मा गांधी के भाषणों और नोट्स का संग्रह है।
  - ❖ **जवाहरलाल नेहरू:** उन्होंने **'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' (भारत एक खोज)** और **'ग्लिम्पसेस ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री'** जैसी महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं।
  - ❖ **अबुल कलाम आजाद:** उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं **'इंडिया विंस फ्रीडम'** और **'अल हिलाल'**।
  - ❖ **अन्य प्रमुख लेखक/पत्रकार:**
    - ➢ **दादाभाई नौरोजी: 'राफ्त गोफ्तार'** (गुजराती त्रैमासिक) के संस्थापक और 'पॉवर्टी एंड अन–ब्रिटिश रूल इन इंडिया' के लेखक।
    - ➢ **बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय:** 'आनंदमठ' के लेखक, जिसमें संन्यासी विद्रोह का वर्णन है और जिसमें 'वंदेमातरम' गीत शामिल है।
    - ➢ **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर:** 'बहिष्कृत भारत' के प्रकाशक।

- **ब्रिटिश भारत में शिक्षा का विकास :** ब्रिटिश भारत में आधुनिक शिक्षा के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं और कमीशन लाए गए। चार्ल्स ग्रांट को आधुनिक शिक्षा का जन्मदाता माना जाता है।
  - ❖ **प्रारंभिक प्रयास (1813):** 1813 का चार्टर अधिनियम पहला प्रयास था जिसमें शिक्षा के लिए ₹1 लाख की धनराशि निर्धारित की गई थी।
  - ❖ **मैकाले का सिद्धांत (1834):** लॉर्ड मैकाले ने 'अधोमुखी निश्यंदता का सिद्धांत' (Downward Filtration Theory) लागू किया, जिसके तहत उच्च वर्ग को शिक्षित करके यह आशा की गई कि शिक्षा छनकर जनसाधारण तक पहुँचेगी। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा की सिफारिश की।
  - ❖ **वुड का डिस्पैच (1854):** इसे **'भारतीय शिक्षा का मैग्ना कार्टा'** कहा जाता है। इसने प्राथमिक शिक्षा के लिए क्षेत्रीय भाषा और उच्च शिक्षा के लिए अंग्रेजी को माध्यम बनाने की सिफारिश की।
  - ❖ **अन्य कमीशन:**
    - ➢ **हंटर कमीशन (1882–83):** प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए गठित।
    - ➢ **रैले कमीशन (1902):** विश्वविद्यालय शिक्षा पर लॉर्ड कर्जन के समय गठित।
    - ➢ **सैडलर कमीशन (1917):** उच्च शिक्षा के प्रबंधन पर सिफारिशें दीं।
    - ➢ **वर्धा योजना (1937):** महात्मा गाँधी द्वारा बुनियादी (Basic) शिक्षा पर बल देने के लिए लाई गई।
    - ➢ **सार्जेन्ट शिक्षा योजना (1944):** प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए स्कूलों की स्थापना पर केंद्रित।
  - ❖ **महत्वपूर्ण तथ्य:**
    - ➢ **हिंदू कॉलेज: राजा राममोहन राय** ने 1817 ई. में इसकी स्थापना की।
    - ➢ **बनारस संस्कृत कॉलेज: जोनाथन डंकन** ने 1791 में इसकी स्थापना की।
    - ➢ **फोर्ट विलियम कॉलेज: लॉर्ड वेलेजली** ने 1800 में कलकत्ता में स्थापना की।

- **बंगाल विभाजन और स्वदेशी आंदोलन (1905 ई.) :** बंगाल का विभाजन 16 अक्टूबर, 1905 को **लॉर्ड कर्जन** द्वारा 'फूट डालो और शासन करो' की नीति के तहत किया गया था। आधिकारिक तौर पर इसका उद्देश्य बंगाल के अविकसित पूर्वी क्षेत्रों में विकास करना बताया गया, लेकिन मुख्य लक्ष्य बंगाल में बढ़ती राष्ट्रीय भावना को कमजोर करना था। विभाजन से **पूर्वी बंगाल** और शेष बंगाल का निर्माण हुआ, जिससे हिंदू और मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक विभाजन को बढ़ावा मिला।
  - ❖ बंगाल विभाजन की खबर सबसे पहले संजीवनी समाचार पत्र में प्रकाशित हुई।
  - ❖ इस विभाजन के विरोध में तत्काल **स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन** शुरू हुआ। 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार का प्रस्ताव पारित किया गया। विभाजन लागू होने पर, लोगों ने व्यापक विरोध किया, वंदे मातरम् गाया और हिंदू–मुस्लिम एकता प्रदर्शित करने के लिए एक–दूसरे को **राखी बाँधी**।
  - ❖ **प्रमुख तथ्य:**
    - ➢ **कांग्रेस ने 1905 के बनारस अधिवेशन** (अध्यक्षः **गोपाल कृष्ण गोखले**) में विभाजन की निंदा की और स्वदेशी आंदोलन का समर्थन किया।
    - ➢ **रवीन्द्रनाथ टैगोर** ने इसी दौरान **'आमार शोनार बांग्ला'** गीत लिखा, जो बाद में बांग्लादेश का राष्ट्रगान बना।
    - ➢ स्वदेशी आंदोलन का प्रसार **बाल गंगाधर तिलक** (पूना/बम्बई), **लाला लाजपत राय** (पंजाब), और **चिदम्बरम पिल्लई** (मद्रास) के नेतृत्व में हुआ। चिदम्बरम पिल्लई ने **स्वदेशी स्टीम नेवीगेशन कम्पनी** खोली।
    - ➢ विभाजन को **1911 में लॉर्ड हार्डिंग** द्वारा रद्द कर दिया गया और राजधानी को कलकत्ता से **दिल्ली** स्थानांतरित करने की घोषणा की गई।

- **मुस्लिम लीग और सूरत विभाजन**
  - ❖ **मुस्लिम लीग (1906 ई.) : अखिल भारतीय मुस्लिम लीग** की स्थापना दिसंबर 1906 में ढाका में **नवाब सलीमुल्लाह, आगा खान और नवाब वकार–उल–मुल्क** द्वारा की गई थी।

- लीग ने **बंगाल विभाजन का समर्थन** किया और स्वदेशी आंदोलन का विरोध किया। इसकी मुख्य माँग मुसलमानों के लिए **विशेष सुरक्षा उपायों** और **पृथक निर्वाचन क्षेत्र** की थी, जिसने सांप्रदायिक मतभेदों को जन्म दिया।
- **प्रमुख तथ्यः** बकार–उल–मुल्क को इसका प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

- **सूरत विभाजन (1907 ई.) :** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन **1907** में **सूरत अधिवेशन** में हुआ। यह विभाजन **उदारवादी** और **उग्रवादी** गुटों के बीच वैचारिक मतभेद के कारण हुआ।
  - **उदारवादी** (नेतृत्वः **गोपाल कृष्ण गोखले**) संवैधानिक तरीकों के समर्थक थे, जबकि उग्रवादी (नेतृत्वः **बाल गंगाधर तिलक**) बहिष्कार और स्वदेशी जैसे अधिक कट्टरपंथी तरीकों का समर्थन करते थे। इसके फलस्वरूप कांग्रेस दो दलों में विभाजित हो गई।
  - **प्रमुख तथ्यः** इस अधिवेशन में **दादाभाई नौरोजी** ने 1906 के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार **'स्वराज'** शब्द का प्रयोग किया था। उग्रवादी नेता **'लाल, बाल, पाल'** (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल) के नाम से प्रसिद्ध थे।
- **क्रांतिकारी आंदोलन और मॉर्ले–मिंटो सुधार**
  - **क्रांतिकारी आंदोलन का प्रथम चरण (1905–1915) :** इस अवधि में कई क्रांतिकारी संगठनों की स्थापना हुई, जिन्होंने हिंसक साधनों से स्वतंत्रता प्राप्त करने का प्रयास किया।
  - **प्रमुख तथ्यः**
    - **चापेकर बंधु घटना (1897):** दामोदर हरि चापेकर और बालकृष्ण हरि चापेकर ने पूना में प्लेग समिति के अध्यक्ष **डब्लू.सी. रैंड** और उनके सहायक लेफ्टिनेंट आयरस्ट की हत्या कर दी, जिसे **राष्ट्रवाद का पहला मामला** माना जाता है।
    - **मुजफ्फरपुर बम कांड (1908): खुदीराम बोस** और **प्रफुल्ल चाकी** ने मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड को मारने के लिए बम फेंका, लेकिन दो ब्रिटिश महिलाएँ मारी गईं। खुदीराम बोस को फाँसी दी गई।
    - **गदर पार्टी (1913): लाला हरदयाल, रामचंद्र** और **बरकतुल्ला** ने सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) में इसकी स्थापना की।
- **मॉर्ले–मिंटो सुधार (1909 ई.) :** इसे **भारतीय परिषद् अधिनियम, 1909** भी कहते हैं। इसका उद्देश्य उदारवादियों को संतुष्ट करना और उग्रवादियों को अलग–थलग करना था।
  - इन सुधारों में **मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन प्रणाली** की शुरुआत की गई, जिसने सांप्रदायिक राजनीति को और गहरा किया।
  - **प्रमुख तथ्यः लॉर्ड मॉर्ले** (राज्य सचिव) ने इस प्रावधान के बारे में कहा था कि 'पृथक निर्वाचन क्षेत्र देकर, हम ड्रैगन के दाँत बो रहे हैं और इसकी फसल कड़वी होगी।'
  - **सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा :** वायसराय की कार्यकारी परिषद में शामिल होने वाले **पहले भारतीय बने**।
- **गांधी जी का भारत आगमन और होमरूल लीग**
  - **महात्मा गांधीः** व्यक्तिगत जीवन और सिद्धांत
    - **जन्मः** 2 अक्टूबर, 1869, पोरबंदर (गुजरात)।
    - **वास्तविक नामः** मोहनदास करमचंद गांधी।
    - **पत्नीः** कस्तूरबा गांधी।
    - **पुत्रः** हरिलाल, रामदास, मणिलाल और देवदास। **जमनालाल बजाज** उनके दत्तक (पाँचवें) पुत्र थे।
    - **आध्यात्मिक गुरुः** श्रीमद राजचंद्रजी।
    - **विचारधारा पर प्रभावः** लियो टॉलस्टॉय और जॉन रस्किन (पुस्तकः 'अनटू दिस लास्ट')।
    - **सिद्धांतः** सत्य और अहिंसा (जैन मत की अहिंसा अवधारणा से प्रभावित)।
    - **पसंदीदा भजनः** नरसिंह मेहता द्वारा रचित 'वैष्णव जन को तैनु कहिए'।
    - **विदेशी अनुयायीः** मेडेलीन स्लेड (मीरा बहन)।
- **दक्षिण अफ्रीका में कार्य (1893–1915)**
  - **आगमनः** 24 मई, 1893 को **एस.एस. सफारी** जहाज से दादा अब्दुल्ला के मुकदमे की पैरवी के लिए पहुँचे।
  - **रंगभेद की घटनाः 7 जून, 1893** को **पीटरमैरिट्जबर्ग स्टेशन** पर ट्रेन से धक्का देकर उतार दिया गया।
  - **संगठनः** नस्लीय हेडभव की समाप्ति के लिए **नेटाल इंडियन कांग्रेस** की स्थापना (1894)।
  - **समाचार पत्रः 'इंडियन ओपिनियन'** प्रकाशित (1903)।
  - **आश्रम/फार्म : फीनिक्स आश्रम** (1904) और **टॉलस्टॉय फार्म** (1910, जोहान्सबर्ग में जर्मन वास्तुकार कालेनबाख की मदद से)।
- **भारत में वापसी और योगदान**
  - **वापसीः 9 जनवरी, 1915 (46 वर्ष की आयु)** को **आरएमएस अरेबिया** नामक जहाज से भारत आए। जिसके उपलक्ष्य में 9 जनवरी को भारत में प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है।
  - **राजनीतिक गुरुः** गोपाल कृष्ण गोखले। जिनके कहने पर उन्होंने एक वर्ष तक सम्पूर्ण भारत में भ्रमण यात्रा की थी।
  - **आश्रमः साबरमती आश्रम** की स्थापना (1915, अहमदाबाद के निकट)।
  - **उपाधिः** प्रथम विश्व युद्ध के दौरान लोगों को सेना में शामिल होने के लिए प्रेरित करने पर **'रिक्रूटिंग सार्जेंट'** कहे गए और ब्रिटिश सरकार ने **'कैसर–ए–हिन्द'** की उपाधि दी।
- **प्रारंभिक आंदोलन (भारत में):**
  - चंपारण सत्याग्रह (1917 ई.)
  - अहमदाबाद मिल हड़ताल आन्दोलन (1918 ई.)
  - खेड़ा सत्याग्रह (1918 ई.)
- **साहित्य और शिक्षा**
  - **आत्मकथाः 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग'।**
  - **प्रमुख पुस्तकें: 'हिन्द स्वराज'** (1910) – इसमें मिशनरियों की आलोचना की गई थी।
  - **प्रमुख पत्र/पत्रिकाएँ: 'नवजीवन' (गुजराती), 'यंग इंडिया'** (अंग्रेजी) और **'हरिजन'** (1933 में प्रारंभ)।
  - **शिक्षा योजनाः वर्धा शिक्षा योजना (1937)** – बुनियादी शिक्षा पर बल दिया।

- **अंतिम समय**
  - **हत्या :** 30 जनवरी, 1948 को दिल्ली के बिड़ला भवन में **नाथूराम गोडसे** द्वारा।
  - **हत्याकांड में सजा :** नाथूराम गोडसे और नारायण आप्टे को मौत की सजा सुनाई गई। गोडसे ने फांसी पर चढ़ने से पहले भारत के पुनः एकीकरण होने तक अपनी राख को सुरक्षित रखने और एकीकरण होने के बाद सिन्धु नदी में प्रवाहित करने की इच्छा व्यक्त की थी।
  - **स्मरण :** 2 अक्टूबर, 2005 को दक्षिण अफ्रीका के **पीटरमैरिट्जबर्ग रेलवे स्टेशन** पर गांधीजी की प्रतिमा स्थापित की गई थी।
- **होमरूल आंदोलन (1916 ई.) :** यह आंदोलन आयरिश होमरूल आंदोलन की तर्ज पर शुरू किया गया था।
  - **इसकी स्थापना दो अलग–अलग लीगों के माध्यम से हुई :** बाल **गंगाधर तिलक द्वारा** अप्रैल 1916 में **पूना में** और **एनी बेसेंट** द्वारा सितंबर 1916 में। इसका उद्देश्य भारत के लिए ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर स्वशासन (होमरूल) प्राप्त करना था।
  - **प्रमुख तथ्य :** तिलक की लीग का कार्यक्षेत्र महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि था, जबकि **एनी बेसेंट** की लीग का मुख्यालय **आड्यार (मद्रास)** में था और इसका कार्यक्षेत्र शेष भारत था। एनी बेसेंट ने **'न्यू इंडिया'** और **'कॉमनवील'** का संपादन किया था।
  - तिलक पूना फरगयुसन कॉलेज के संस्थापकों में भी शामिल थे।
  - वेलेंटाइन शिरोल ने बाल गंगाधर तिलक को भारतीय अशांति का जनक कहा था।
  - 1920 में महात्मा गांधी ने 'होमरूल लीग' को 'स्वराज सभा' नाम दिया था।
- **स्वतंत्रता आंदोलन (1916–1924)**
  - **लखनऊ समझौता :** दिसंबर 1916 में बालगंगाधर तिलक के प्रयास से **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** और **मुस्लिम लीग** के बीच समझौता हुआ, जिसमें दोनों पक्ष प्रांतीय सभाओं में धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व देने पर सहमत हुए।
  - **महत्व :**
    - **सरोजिनी नायडू** ने इस समझौते के बाद **मुहम्मद अली जिन्ना** को **'हिन्दू–मुस्लिम एकता का राजदूत'** कहा।
    - **लखनऊ अधिवेशन** में **गांधी जी** पहली बार सार्वजनिक मंच पर पहुँचे थे।
  - **चंपारण सत्याग्रह (पहला सत्याग्रह) :**1917 ई.।
    - **कारण :** बिहार के चंपारण में **'तिनकठिया प्रणाली'** (किसानों को अपनी भूमि के 3/20वें हिस्से पर नील की खेती करने की मजबूरी) का विरोध।
    - **नेतृत्व : राजकुमार शुक्ल** के अनुरोध पर गांधीजी चंपारण पहुँचे।
    - **परिणाम : चंपारण कृषि विधेयक 1918** में हुआ और किसानों को राहत मिली।
    - **तथ्य :** दीनबंधु मित्रा ने नील किसानों की दुर्दशा पर **'नील दर्पण'** नामक नाटक लिखा। गांधी जी ने सत्याग्रह शैली का प्रयोग सबसे पहले **दक्षिण अफ्रीका** में किया था।
  - **अगस्त घोषणा (मोंटेग्यू घोषणा) : 20 अगस्त, 1917 को मोंटेग्यू** ने प्रस्तुत की। इसका उद्देश्य भारत में प्रशासन और स्वशासी संस्थानों के विकास में भारतीयों की भागीदारी बढ़ाना था।
- **खेड़ा सत्याग्रह :** 1918 ई.।
  - **कारण :** गुजरात के खेड़ा जिले में सूखे के कारण फसलें नष्ट होने पर भी सरकार द्वारा भू–राजस्व में छूट देने से इनकार।
  - **नेतृत्व :** गांधीजी के मार्गदर्शन में **सरदार वल्लभभाई पटेल** और **इन्दुलाल याज्ञनिक** ने किया।
- **अहमदाबाद मिल हड़ताल :**1918 ई.।
  - **कारण :** मिल मालिकों द्वारा प्लेग बोनस वापस लेने के प्रयास के विरुद्ध श्रमिकों की 35% वेतन वृद्धि की माँग।
  - **नेतृत्व :** गांधीजी ने पहली बार **सत्याग्रह और भूख हड़ताल** का इस्तेमाल किया, जो सफल रहा।
  - **तथ्य : अनसूया बेन साराभाई** ने गांधीजी को हस्तक्षेप के लिए आमंत्रित किया था।
- **रौलट अधिनियम (1919) :**
  - **गठन :** सर सिडनी रौलट की अध्यक्षता वाली राजद्रोह समिति की सिफारिशों पर पारित।
  - **प्रावधान :** सरकार को बिना मुकदमे के दो साल तक राजनीतिक कैदियों को हिरासत में रखने की शक्ति मिली।
  - **विरोध :** गांधीजी ने इसे **'काला अधिनियम'** कहा। **मुहम्मद अली जिन्ना**, मदनमोहन मालवीय और मजहर उल हक ने शाही विधान परिषद से इस्तीफा दिया।
- **जलियांवाला बाग नरसंहार (13 अप्रैल, 1919) :**
  - **कारण :** रौलट एक्ट के विरोध में गिरफ्तार **सैफुद्दीन किचलू** और **डॉ. सत्यपाल** की रिहाई के लिए अमृतसर में शांतिपूर्ण सभा।
  - **घटना : जनरल डायर** के आदेश पर निहत्थी भीड़ पर गोलीबारी, जिसमें 1000 से अधिक लोगों की मौत हुई।
  - जनरल डायर ने 'क्रालिंग आर्डर' जारी किया था जिसके तहत भारतीयों को गली से रेंगकर गुजरना पड़ता था।
  - **जाँच :** सरकार द्वारा **हंटर आयोग** का गठन, जिसने डायर के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। कांग्रेस ने अपनी गैर–सरकारी समिति नियुक्त की (मोतीलाल नेहरू, गांधी आदि शामिल)।
  - **विरोध/तथ्य :**
    - **रवीन्द्रनाथ टैगोर** ने **नाइटहुड** की उपाधि त्यागी।
    - **महात्मा गांधी** ने बोअर युद्ध के दौरान मिली **कैसर–ए–हिंद** की उपाधि त्यागी।
    - जनरल डायर की हत्या लंदन में **ऊधम सिंह** ने की थी।
- **खिलाफत आंदोलन (1919–24) :**
  - **कारण :** प्रथम विश्व युद्ध के बाद तुर्की के **खलीफा** (तुर्की के सुल्तान, जिन्हें मुसलमान आध्यात्मिक नेता मानते थे) को हटाए जाने के विरोध में।
  - **नेतृत्व : अली बंधुओं (शौकत अली और मोहम्मद अली)**, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि ने **अखिल भारतीय खिलाफत समिति** का गठन किया।

- **तथ्य: 23 नवंबर, 1919** को **महात्मा गांधी** को अखिल भारतीय खिलाफत समिति का अध्यक्ष चुना गया।

- **भारत सरकार अधिनियम, 1919 (मोंटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार):**
  - **प्रावधान:** ब्रिटिश प्रांतों में **द्वैध शासन प्रणाली (Dyarchy)** की शुरुआत की गई।
  - **विषय विभाजन:** प्रांतीय विषयों को **हस्तांतरित** (उत्तरदायी मंत्रियों की सहायता से राज्यपाल द्वारा प्रशासित) और **आरक्षित** (गवर्नर और उसकी कार्यकारी परिषद् द्वारा प्रशासित) विषयों में विभाजित किया गया।
  - **तथ्य:** इस अधिनियम में 10 वर्षों के बाद कामकाज की समीक्षा के लिए एक समिति का प्रावधान किया गया।

- **अन्य महत्वपूर्ण तथ्य**
  - आंध्र प्रदेश में स्वदेशी आंदोलन को **वंदेमातरम आंदोलन** कहा जाता था।
  - **मैडम भीकाजी कामा** विदेशी भूमि पर झंडा फहराने वाली प्रथम भारतीय थीं। उन्हें **भारतीय क्रांति की जननी** कहा जाता है।
  - भारत में व्यापारिक वाणिज्यिक कांग्रेस की स्थापना **1920** में हुई थी।

स्वतंत्रता आंदोलन का द्वितीय चरण (1920–1929)

- **असहयोग आंदोलन (1920–22):**
  - **शुरुआत:** 5 सितंबर, 1920 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में। कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन (सितंबर 1920) में कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।
  - **कार्यक्रम:** उपाधियाँ त्यागना, सरकारी नौकरियों, स्कूलों, कॉलेजों और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना।
  - **निधि:** आंदोलन के लिए **तिलक स्वराज कोष** की स्थापना (1921)।
  - **पहला प्रमुख नेता गिरफ्तार: मुहम्मद अली। जमनालाल बजाज** ने 'राय बहादुर' की उपाधि लौटाई।
  - **समाप्ति का कारण: चौरी चौरा घटना** (1922, उत्तर प्रदेश) के कारण, जहाँ हिंसक भीड़ ने एक पुलिस स्टेशन में आग लगा दी और **22 पुलिसकर्मी** मारे गए।
  - **स्थगन:** गांधीजी ने फरवरी 1922 में कांग्रेस की बारदोली कार्य समिति की बैठक के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया।

- **स्वराज पार्टी (1923):**
  - **स्थापना:** 1 जनवरी, 1923 को असहयोग आंदोलन वापस लेने के गांधीजी के निर्णय के विरोध में।
  - **संस्थापक: मोतीलाल नेहरू** और **सी.आर. दास**।
  - **उद्देश्य:** चुनावों में भाग लेकर विधानमंडलों में प्रवेश करना।
  - **सफलता:** नवंबर 1923 के चुनावों में केन्द्रीय विधानमंडल की 101 में से 42 सीटों पर कब्जा। **विठ्ठल भाई पटेल** ब्रिटिश मंत्रिमंडल में चुने गए (1925)।
  - **समाप्ति:** 1925 में **सी.आर. दास** की मृत्यु के बाद कलह शुरू हुई और पार्टी टूट गई।

- **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA, 1924):**
  - **गठन:** कानपुर में **राम प्रसाद बिस्मिल**, जोगेन्द्र चटर्जी, शचीन्द्र शान्याल और **अशफाक उल्ला खाँ** ने किया।
  - **घटना: काकोरी (लखनऊ)** में 1925 में अंग्रेजी खजाने को ले जा रही ट्रेन को लूटा।
  - **परिणाम:** राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, रोशन सिंह और राजेन्द्र लहरी को फाँसी दी गई। **चन्द्रशेखर आजाद** चकमा देने में सफल रहे।

- **साइमन कमीशन (1927):**
  - **गठन: सर जॉन साइमन** की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय आयोग, जो **भारत सरकार अधिनियम 1919** की समीक्षा के लिए नियुक्त किया गया।
  - **विरोध का कारण:** आयोग में **एक भी भारतीय सदस्य** शामिल नहीं था।
  - **विरोध:** 'साइमन गो बैक' के नारे लगाए गए।
  - लाहौर में प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे **लाला लाजपत राय** पर लाठीचार्ज हुआ और उसी वर्ष (17 नवंबर, 1928) उनकी मृत्यु हो गई।
  - **तथ्य:** तत्कालीन वायसराय **लॉर्ड इरविन** थे।

- **बारदोली सत्याग्रह (1928):**
  - **कारण:** गुजरात के बारदोली में बाढ़ और अकाल के बावजूद बॉम्बे प्रेसीडेंसी द्वारा कर दरों में **22% की वृद्धि**।
  - **नेतृत्व: सरदार वल्लभभाई पटेल** ने किया।
  - **परिणाम: मैक्सवेल ब्रूमफील्ड आयोग** ने राजस्व को घटाकर 6.03% किया।
  - **उपाधि:** बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को **'सरदार'** की उपाधि दी थी।

- **नेहरू रिपोर्ट (1928):**
  - **गठन का कारण:** साइमन कमीशन की विफलता के बाद लॉर्ड बिरकेनहेड की भारतीयों को संविधान बनाने की चुनौती के जवाब में।
  - **अध्यक्ष: मोतीलाल नेहरू** (जवाहरलाल नेहरू सचिव थे)।

- **सिफारिशें (विल ऑफ राइट्स):**
  - भारत के लिए **डोमिनियन स्थिति**।
  - **19 मौलिक अधिकारों** की माँग (21 वर्ष से अधिक आयु के लिए मतदान सहित)।
  - **पृथक निर्वाचन क्षेत्र** का अंत।
  - **भाषाई आधार पर** प्रांतों का निर्माण।

- **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (HSRA, 1928):**
  - **पुनर्गठन: चन्द्रशेखर आजाद** और **शचीन्द्र सान्याल** ने HRA को फिर से संगठित किया।
  - **नाम परिवर्तन: भगत सिंह** के आग्रह पर दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में नाम बदलकर HSRA किया गया।
  - **घटना:** लाला लाजपत राय पर लाठीचार्ज करने वाले **सांडर्स** की हत्या (भगतसिंह, शिवराम राजगुरु, सुखदेव और चन्द्रशेखर आजाद)।
  - **केन्द्रीय विधानसभा बम कांड (8 अप्रैल 1929): भगत सिंह** और **बटुकेश्वर दत्त** ने 'पब्लिक सेफ्टी बिल' पर चर्चा के दौरान **'इंकलाब जिंदाबाद'** का नारा देते हुए बम फेंका।
  - **परिणाम:** लाहौर षड्यंत्र केस में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को **23 मार्च, 1931** को फाँसी दी गई।

- ❖ **लेखनः शचीन्द्र सान्याल** ने **'बन्दी जीवन'** और **भगवती चरण बोहरा** ने **'फिलॉसफी ऑफ बम'** की रचना की।
- **जिन्ना के 14 सूत्र (09 मार्च, 1929):** जिन्ना ने नेहरू रिपोर्ट को स्वीकार न करते हुए, मुसलमानों के हितों की रक्षा के लिए 14 सूत्र प्रस्तुत किए, जिसमें **पृथक निर्वाचक मंडल** और केन्द्रीय विधानमंडल में **एक तिहाई मुस्लिम प्रतिनिधित्व** की माँग प्रमुख थी।

स्वतंत्रता आंदोलन का तृतीय चरण (1929–1939)

- **लाहौर अधिवेशन (1929):**
  - ❖ **अध्यक्षताः जवाहरलाल नेहरू।**
  - ❖ **उद्देश्यः** कांग्रेस ने **'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता)** को आंदोलन का मुख्य उद्देश्य घोषित किया।
  - ❖ **स्वतंत्रता दिवसः 26 जनवरी, 1930** को प्रथम स्वतंत्रता (स्वराज्य) दिवस के रूप में निर्धारित किया गया।
  - ❖ **झंडा फहरानाः** नए साल की पूर्व संध्या पर **रावी नदी के तट पर** तिरंगा झंडा फहराया गया।
- **सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930):**
  - ❖ **शुरुआतः** गांधीजी ने **11 सूत्रीय चेतावनी** के बाद, **12 मार्च, 1930** को **दांडी मार्च** से शुरू किया।
  - ❖ **दांडी मार्चः** गांधी और उनके **78 समर्थक** 12 मार्च को अहमदाबाद से चले और **6 अप्रैल, 1930** को दांडी तट पर **नमक बनाकर** कानून तोड़ा।
  - ❖ **गिरफ्तारी के बाद नेतृत्वः** गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद **सरोजिनी नायडू** और इमाम साहब ने धरसना में नमक कारखाने पर धरना दिया।
  - ❖ **अन्य क्षेत्रों में नेतृत्वः**
    - ➢ **तमिलनाडुः सी. राजगोपालाचारी** (वेदाराण्यम)।
    - ➢ **मालाबारः के. केलप्पन।**
    - ➢ **उत्तर पश्चिमी सीमांत प्रांत (पेशावर): खान अब्दुल गफ्फार खान** (सीमांत गांधी) ने **लालकुर्ती आंदोलन** चलाया।
    - ➢ **मणिपुर और नागालैंडः रानी गोडेनलियू** ने नेतृत्व किया।
  - ❖ **अन्य तथ्यः** लड़कों की 'वानर सेना' और लड़कियों की **'मंजरी सेना'** का गठन हुआ।
- **प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930):**
  - ❖ **आयोजनः** लंदन में **रैमजे मैकडोनाल्ड** (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री) की अध्यक्षता में।
  - ❖ **प्रतिभागः** डॉ. बी. आर. अम्बेडकर और मुस्लिम लीग ने भाग लिया।
  - ❖ **कांग्रेसः** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसमें **भाग नहीं लिया।** सम्मेलन विफल रहा।
- **गांधी–इरविन समझौता (5 मार्च, 1931):**
  - ❖ **प्रावधानः**
    - ➢ कांग्रेस **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन** में भाग लेने को सहमत हुई।
    - ➢ कांग्रेस **सविनय अवज्ञा आंदोलन** को समाप्त करने पर सहमत हुई।
    - ➢ सरकार हिंसक अपराधों को छोड़कर सभी मुकदमों को वापस लेने और आंदोलन में गिरफ्तार लोगों को रिहा करने पर सहमत हुई।
    - ➢ सरकार **नमक कर हटाने** पर सहमत हुई।
  - ❖ **तथ्यः** सरोजिनी नायडू ने गांधी और इरविन के लिए **'दो महात्मा'** शब्द का प्रयोग किया।
- **इंडियन रिपब्लिक आर्मी (IRA, 1931):**
  - ❖ **संस्थापकः सूर्य सेन** ('मास्टर दा')।
  - ❖ **घटनाः चटगाँव शस्त्रागार लूट कांड** (18 अप्रैल, 1931)। इसमें प्रीतिलता वाडेकर, कल्पना दत्त, सुनीति चौधरी, बीना दास जैसी महिला क्रांतिकारियों ने भाग लिया। सूर्य सेन को 12 जनवरी, 1934 को फाँसी दी गई।
- **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन (1931):**
  - ❖ **कांग्रेस प्रतिनिधिः महात्मा गांधी।**
  - ❖ **प्रतिभागः** मदन मोहन मालवीय, सरोजिनी नायडू (व्यक्तिगत रूप से), डॉ. बी. आर. अम्बेडकर और तेज बहादुर सप्रू।
  - ❖ **विवादः** दलितों के लिए पृथक निर्वाचन के मुद्दे पर गांधी और अम्बेडकर के बीच मतभेद। सम्मेलन असफल रहा।
  - ❖ **तथ्यः** सम्मेलन की असफलता के बाद गांधीजी ने **अखिल भारतीय दलित वर्ग संघ** की स्थापना की और **'हरिजन'** नामक साप्ताहिक पत्र निकाला।
- **सांप्रदायिक पंचाट (1932):**
  - ❖ **घोषणाः** 16 अगस्त, 1932 को **रैमजे मैकडोनाल्ड** द्वारा।
  - ❖ **प्रावधानः** दलित वर्गों, सिखों, महिलाओं आदि के लिए **पृथक निर्वाचन क्षेत्र** प्रदान किए गए।
  - ❖ **गांधीजी की प्रतिक्रियाः** उन्होंने इसे भारतीय समाज को विभाजित करने का उपकरण मानते हुए यरवदा जेल में **भूख हड़ताल** की।
- **पूना पैक्ट (24 सितंबर, 1932):**
  - ❖ **समझौताः** गांधीजी (उनके स्थान पर **मदन मोहन मालवीय** ने हस्ताक्षर किए) और **डॉ. बी. आर. अम्बेडकर** के बीच।
  - ❖ **प्रावधानः** दलित वर्गों के लिए **संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र** के सिद्धांत को स्वीकार किया गया। प्रांतीय विधानमंडलों में दलित वर्गों के लिए **71** के स्थान पर **148 सीटें** आरक्षित की गईं।
- **तीसरा गोलमेज सम्मेलन (1932):**
  - ❖ **कांग्रेसः** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने **भाग नहीं लिया।**
  - ❖ **तथ्यः डॉ. बी. आर. अम्बेडकर** और **तेज बहादुर सप्रू** वे दो व्यक्ति थे जिन्होंने **तीनों गोलमेज सम्मेलनों** में भाग लिया।
- **भारत सरकार अधिनियम, 1935 :**
  - ❖ **प्रमुख प्रावधानः**
    - ➢ एक **अखिल भारतीय संघ** की स्थापना का प्रावधान (रियासतों के शामिल न होने के कारण लागू नहीं हो पाया)।
    - ➢ प्रांतों में **द्वैध शासन समाप्त** कर **'प्रांतीय स्वायत्तता'** की शुरुआत।
    - ➢ केंद्र में द्वैध शासन को अपनाने का प्रावधान (लागू नहीं हुआ)।
    - ➢ छह प्रांतों (बंगाल, बॉम्बे, मद्रास, बिहार, असम और संयुक्त प्रांत) में **द्विसदनीय व्यवस्था** लागू।
    - ➢ **बर्मा को भारत से अलग** किया गया।

- संघीय न्यायालय और **भारतीय रिजर्व बैंक** की स्थापना का प्रावधान।

- **कांग्रेस मंत्रिमंडल का इस्तीफा (1939):**
  - **चुनाव:** 1936–37 में प्रांतीय चुनाव हुए, जिसमें कांग्रेस ने आठ प्रांतों में सरकार बनाई।
  - **इस्तीफा का कारण:** 3 सितंबर, 1939 को वायसराय **लिनलिथगो** द्वारा कांग्रेस से बिना पूछे भारत को **द्वितीय विश्व युद्ध** में शामिल करने की घोषणा करना।
  - **तथ्य:** इस्तीफा देने की घोषणा के बाद 22 अक्टूबर, 1939 को सभी कांग्रेस मंत्रिमंडलों ने अपना इस्तीफा दे दिया।
    - भारत छोड़ो आंदोलन के प्रस्ताव पारित होने के समय भारत का वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो था।

भारत के महान शहीद

क्र.	शहीद का नाम	संक्षिप्त घटना	सजा / बलिदान
1.	**खुदीराम बोस**	1908 – सेशन जज किंग्सफोर्ड की गाड़ी पर बम → बेगुली स्टेशन पर गिरफ्तारी	11 अगस्त 1908 – फाँसी
2.	**राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी**	दक्षिणेश्वरी बम कांड व काकोरी कांड	17 दिसंबर 1927 – गोंडा जेल में फाँसी
3.	**रामप्रसाद बिस्मिल**	मैनपुरी षड्यंत्र, काकोरी कांड के योजनाकार	19 दिसंबर 1927 – गोरखपुर जेल में फाँसी
4.	**अशफाक उल्ला खाँ**	काकोरी कांड, 19 अगस्त 1925 को बंदी	19 दिसंबर 1927 – फैजाबाद जेल में फाँसी
5.	**ऊधम सिंह**	13 मार्च 1940 – माइकल ओ'डायर की हत्या	31 जुलाई 1940 – पेंटनविले जेल (लंदन) में फाँसी
6.	**भगत सिंह**	सांडर्स हत्या, 1929 में असेम्बली बम	23 मार्च 1931 – फाँसी
7.	**चापेकर बंधु**	22 जून 1897 – रैंड व आयर्स्ट की हत्या	10-11 मई 1899 – फाँसी
8.	**सुखदेव**	सांडर्स हत्या	23 मार्च 1931 – फाँसी
9.	**राजगुरु**	सांडर्स हत्या में शामिल	23 मार्च 1931 – फाँसी
10.	**बटुकेश्वर दत्त**	भगत सिंह के साथ असेम्बली में बम	आजीवन कारावास
11.	**चन्द्रशेखर आजाद**	काकोरी कांड से जुड़े, गिरफ्तारी पर इनाम	27 फरवरी 1931 – अल्फ्रेड पार्क में शहीद
12.	**मास्टर अमीरचन्द्र**	लॉर्ड हार्डिंग पर बम (1914)	8 मई 1915 – फाँसी
13.	**अवध बिहारी बोस**	दिल्ली षड्यंत्र केस	8 मई 1915 – फाँसी
14.	**मदनलाल धींगरा**	1 जुलाई 1909 – कर्जन वायली की हत्या	16 अगस्त 1909 – फाँसी
15.	**वासुदेव बलवंत फड़के**	सशस्त्र क्रांति; 1879 गिरफ्तार	17 फरवरी 1883 – कालापानी में मृत्यु (अनशन)
16.	**करतार सिंह सराबा**	गदर पार्टी, लाहौर षड्यंत्र	16 नवम्बर 1915 – फाँसी
17.	**अनन्त कान्हरे**	नासिक जैक्सन हत्या	19 अप्रैल 1910 – फाँसी
18.	**विष्णु गणेश पिंगले**	गदर आंदोलन से जुड़े	17 नवम्बर 1915 – फाँसी
19.	**सूर्यसेन (मास्टर दा)**	18 अप्रैल 1930 – चटगाँव शस्त्रागार लूट	12 जनवरी 1934 – फाँसी
20.	**हरकिशन**	1930 – पंजाब गवर्नर पर गोली	9 जून 1931 – फाँसी
21.	**शांति घोष व सुनीति चौधरी**	1931 – त्रिपुरा के कलेक्टर की हत्या	आजीवन काला पानी
22.	**वीणा दास**	1932 – बंगाल के गवर्नर की हत्या का प्रयास	9 वर्ष का कठोर कारावास
23.	**बजिलुक्कु चक्रवर्ती**	1933 – मिदनापुर के कलेक्टर पर गोली	26 अक्टूबर 1934 – फाँसी
24.	**बसित्तोर चटर्जी**	1933 – हरियाबाग डकैती	2 जुलाई 1934 – फाँसी
25.	**जगन्नाथ शिंदे**	शोलापुर थाने पर हमला	12 जनवरी 1931 – फाँसी
26.	**लाला लाजपत राय**	साइमन कमीशन विरोध में लाठी प्रहार	17 नवम्बर 1928 – चोटों से मृत्यु
27.	**खुसाल कौरा**	9 अक्टूबर 1942 – रेल पटरी से उतारने का आरोप	16 जून 1943 – फाँसी
28.	**सुभाष चंद्र बोस**	आजाद हिंद सरकार (1943), INA	18 अगस्त 1945 – विमान दुर्घटना (विवादित)

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन–प्रमुख घटनाएँ

क्र.	घटना / आंदोलन	वर्ष	मुख्य बिंदु / व्यक्ति
1.	**कांग्रेस की स्थापना**	1885	ए.ओ. ह्यूम
2.	**बंग–भंग / स्वदेशी आंदोलन**	1905	विभाजन विरोध
3.	**मुस्लिम लीग**	1906	ढाका–नवाब सलीमुल्ला
4.	**कांग्रेस विभाजन**	1907	सुरत फूट
5.	**होमरूल आंदोलन**	1916	तिलक व एनी बेसेंट
6.	**लखनऊ पैक्ट**	1916	कांग्रेस–मुस्लिम लीग समझौता
7.	**मॉन्टेग्यू घोषणा**	20 अगस्त 1917	स्वशासन का वादा
8.	**रौलेट एक्ट**	1919	बिना मुकदमे गिरफ्तारी
9.	**जलियांवाला बाग**	13 अप्रैल 1919	जनरल डायर
10.	**खिलाफत आंदोलन**	1919	अली बंधु
11.	**हंटर रिपोर्ट**	1920	जलियांवाला से संबंधित
12.	**नागपुर अधिवेशन**	1920	असहयोग प्रस्ताव
13.	**असहयोग आंदोलन**	1 अगस्त 1920	गांधीजी
14.	**चौरी–चौरा**	5 फरवरी 1922	आंदोलन वापस
15.	**स्वराज पार्टी**	1923	C.R. दास, मोतीलाल नेहरू
16.	**HRA**	1924	सान्याल, बिस्मिल
17.	**साइमन कमीशन**	1927-28	"साइमन गो बैक"
18.	**नेहरू रिपोर्ट**	1928	मोतीलाल नेहरू
19.	**बारदोली सत्याग्रह**	1928	सरदार पटेल
20.	**असेम्बली बम**	1929	भगत सिंह–दत्त
21.	**लाहौर अधिवेशन**	1929	पूर्ण स्वराज
22.	**स्वाधीनता दिवस**	26 जनवरी 1930	पहली बार
23.	**नमक सत्याग्रह**	1930	दांडी मार्च
24.	**सविनय अवज्ञा आंदोलन**	1930	राष्ट्रीय स्तर
25.	**गोलमेज सम्मेलन (I)**	1930	लंदन
26.	**गांधी–इरविन समझौता**	5 मार्च 1931	आंदोलन स्थगित
27.	**गोलमेज सम्मेलन (II)**	1931	गांधीजी शिरकत
28.	**कम्युनल अवार्ड**	1932	पृथक निर्वाचन
29.	**पूना पैक्ट**	1932	गांधी–अंबेडकर
30.	**CSP गठन**	1934	JP, लोहिया
31.	**फॉरवर्ड ब्लॉक**	1939	नेताजी
32.	**पाकिस्तान मांग**	1940	मुस्लिम लीग
33.	**अगस्त प्रस्ताव**	1940	वायसराय
34.	**क्रिप्स मिशन**	1942	असफल
35.	**भारत छोड़ो आंदोलन**	8 अगस्त 1942	गांधीजी
36.	**नौसेना विद्रोह**	1946	HMIS तलवार
37.	**कैबिनेट मिशन**	1946	भारत विभाजन के सिद्धांत
38.	**प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस**	1946	लीग द्वारा

क्र.	घटना / आंदोलन	वर्ष	मुख्य बिंदु / व्यक्ति
39.	**अंतरिम सरकार**	1946	नेहरू
40.	**माउंटबेटन योजना**	3 जून 1947	विभाजन
41.	**स्वतंत्रता**	15 अगस्त 1947	भारत स्वतंत्र
42.	**गणतंत्र**	26 जनवरी 1950	राष्ट्रपतिः डॉ. राजेंद्र प्रसाद
43.	**भूदान आंदोलन**	1951	विनोबा भावे

स्वतंत्रता आंदोलन का अंतिम चरण (1939–1947)

- **त्रिपुरी संकट (1939):**
  - **कारण:** कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में **सुभाष चंद्र बोस** ने गांधी जी के उम्मीदवार **पट्टाभि सीतारमैया** को हराया।
  - **परिणाम:** गांधीजी ने इसे व्यक्तिगत हार माना। बोस ने मार्च 1939 में इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद **डॉ. राजेंद्र प्रसाद** को अध्यक्ष चुना गया।
- **मुस्लिम लीग का लाहौर संकल्प (1940):**
  - **घोषणा:** अखिल भारतीय मुस्लिम लीग ने 22–24 मार्च, 1940 तक लाहौर में मुसलमानों के लिए **एक स्वतंत्र राज्य** की माँग की।
  - **तथ्य:** इस प्रस्ताव में कहीं भी **'पाकिस्तान'** शब्द शामिल नहीं था।
- **अगस्त प्रस्ताव (1940):**
  - **प्रस्तुतकर्ता:** वायसराय **लॉर्ड लिनलिथगो**।
  - **मुख्य प्रस्ताव:** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत को **डोमिनियन स्टेटस** और भारतीयों की भागीदारी से **वायसराय की कार्यकारी परिषद् का विस्तार** तथा एक प्रतिनिधि **घटक निकाय** का वादा।
  - **प्रतिक्रिया:** कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने अस्वीकार कर दिया।
- **व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940):**
  - **शुरुआत:** कांग्रेस की माँगों को शांतिपूर्वक स्वीकार कराने के लिए गांधीजी द्वारा शुरू किया गया।
  - **सत्याग्रही:** पहले सत्याग्रही **आचार्य विनोबा भावे** (महाराष्ट्र के पवनार आश्रम से)। दूसरे **जवाहरलाल नेहरू** और तीसरे **ब्रह्मा दत्त** थे।
- **आजाद हिन्द फौज (INA, 1942):**
  - **स्थापना:** सबसे पहले **मोहन सिंह** ने 1942 में जापान में की।
  - **पुनर्जीवन: सुभाष चंद्र बोस** ने 21 अक्टूबर, 1943 को इसका पुनर्गठन किया और **कमांडर इन चीफ** बने व महिलाओं के लिए रानी लक्ष्मीबाई रेजीमेंट का गठन किया।
  - **नारा:** सेनापति नियुक्त होने के बाद बोस ने **'दिल्ली चलो'** का नारा दिया।
  - **सरकार:** बोस ने सिंगापूर में 1943 में **स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार** का गठन किया था।
  - **सुभाष चन्द्र बोस** ने **1944** में सिंगापुर रेडियो पर सम्बोधन के दौरान महात्मा गांधी को **'राष्ट्रपिता'** कहा था।
  - महात्मा गांधी ने **सुभाष चन्द्र बोस** को **'देशभक्तों का देशभक्त'** कहा था।
  - **सुभाष चन्द्र बोस के राजनैतिक गुरुः सी.आर. दास** थे।
  - टाइगर लीजन या फ्री 'इंडिया लीजन' के संस्थापक सुभाषचन्द्र बोस थे।
- **क्रिप्स मिशन (1942):**
  - **उद्देश्य:** युद्ध के बाद भारत को **डोमिनियन स्टेटस** देना और संविधान–निर्माता निकाय स्थापित करना।
  - **प्रतिक्रिया:** गांधीजी ने इसे **'उत्तर दिनांकित चेक'** कहा, जबकि जवाहरलाल नेहरू ने इसे **'एक असफल बैंक पर आहरित उत्तर दिनांकित चेक'** कहा।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (1942):**
  - **शुरुआत: 8 अगस्त, 1942** को बंबई के **गोवालिया टैंक मैदान** (अगस्त क्रांति मैदान) में गांधीजी द्वारा।
  - **नारा:** गांधीजी ने **'करो या मरो'** का नारा दिया।
  - **प्रमुख घटनाएँ:**
    - **अरुणा आसफ अली** ने मैदान पर भारतीय कांग्रेस का झंडा फहराया। उन्हें **'भारत छोड़ो आंदोलन की रानी'** कहा जाता है।
    - महिला क्रांतिकारी कमला देवी चट्टोपाध्याय ने ग्वालिया टैंक मैदान पर भारतीय ध्वज फहराया था।
    - **ऊषा मेहता** और अरुणा आसफ अली ने बम्बई से **भूमिगत रेडियो** का संचालन किया।
    - सरकार ने सभी प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। गांधीजी को **आगा खां पैलेस (पूना)** में कैद किया गया।
    - आंदोलन के दौरान अमेरिकी पत्रकार **लुई फिशर** से गांधीजी की मुलाकात हुई।
  - **समानांतर सरकारें:** बलिया (**चित्तू पांडे**), तमलुक **(सतीश चंद्र सामंत)** और सतारा (**वाई. बी. चव्हाण** और नाना पाटिल)।
  - भारत छोड़ो आन्दोलन के समय कोरापुट क्रांति उड़ीसा में हुई थी।
  - **तथ्य: हिन्दू महासभा** और **मुस्लिम लीग** दोनों आंदोलन के पक्ष में नहीं थे। **लखन नायक** ने ओडिशा में स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिन्हें 1943 में फाँसी दी गई।
  - कुशल कंवर भारत छोड़ो आंदोलन के अंतिम चरण के दौरान फाँसी पर चढ़ने वाले भारत के एकमात्र शहीद थे।
- **सी.आर. फॉर्मूला (1944):**
  - **प्रस्तुतकर्ता : सी. राजगोपालाचारी**।
  - **उद्देश्य:** कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच गतिरोध हल करना।
  - **मुख्य प्रस्ताव:** लीग द्वारा स्वतंत्रता की माँग का समर्थन, युद्ध के बाद मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में **जनमत संग्रह** द्वारा विभाजन का निर्णय।
  - **विफलता:** जिन्ना कांग्रेस द्वारा **दो राष्ट्र सिद्धांत** को स्वीकार करने पर अड़े रहे।

- **वेवेल योजना (1945):**
    - **प्रस्ताव:** गवर्नर–जनरल और कमांडर–इन–चीफ को छोड़कर, कार्यकारी परिषद् के सभी सदस्य भारतीय होंगे। हिंदुओं और मुसलमानों को **समान प्रतिनिधित्व** दिया जाएगा।
- **शिमला सम्मेलन (1945):**
    - **उद्देश्य:** वेवेल योजना पर चर्चा।
    - **विफलता:** कांग्रेस (किसी भी समुदाय से प्रतिनिधि चुनने की माँग) और मुस्लिम लीग (सभी मुस्लिम सदस्यों को चुनने का पूर्ण अधिकार) के बीच गहरे मतभेदों के कारण विफल।
- **आई. एन. ए. मुकदमा (1945–46):**
    - **मुकदमा:** पी. के. सहगल, शाहनवाज खान और गुरबख्श सिंह पर लाल किले में सैन्य मुकदमा।
    - **रक्षा समिति: भूलाभाई देसाई**, आसफ अली, **तेज बहादुर सप्रू**, आदि शामिल थे।
- **रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह (1946):**
    - **घटना:** 18 फरवरी, 1946 को बम्बई बंदरगाह पर जहाज **'तलवार'** के रेटिंग्स (नाविकों) द्वारा **खराब भोजन और नस्लीय भेदभाव** के विरोध में विद्रोह।
- **कैबिनेट मिशन (1946):**
    - **सदस्य: लॉर्ड पेथिक–लॉरेंस**, **सर स्टैफोर्ड क्रिप्स** और **ए.वी. अलेक्जेंडर**।
    - **मुख्य प्रावधान:** भारत को **बिना किसी विभाजन के स्वतंत्रता** देना। केंद्र के पास रक्षा, विदेशी मामले, संचार और मुद्रा रहेगी; शेष शक्तियाँ प्रांतों में निहित होंगी। **संविधान सभा** और **अंतरिम सरकार** की स्थापना का प्रावधान।
- **प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस (1946):**
    - **घोषणा: मुहम्मद अली जिन्ना** ने मुस्लिम लीग की विभाजन की माँग पर दबाव बनाने के लिए **16 अगस्त, 1946** को घोषित किया।
    - **परिणाम:** देश भर में भयंकर **साम्प्रदायिक हिंसा** भड़की। इसे कलकत्ता हत्याकांड के नाम से भी जाना जाता है।
- **अंतरिम सरकार का गठन (1946):**
    - **गठन:** 2 सितंबर, 1946 को कैबिनेट मिशन योजना के तहत।
    - **प्रमुख सदस्य:**
        - **जवाहरलाल नेहरू:** कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेश मामले।
        - **वल्लभभाई पटेल:** गृह, सूचना और प्रसारण।
        - **लियाकत अली (मुस्लिम लीग):** वित्त।
- **माउंटबेटन योजना (3 जून, 1947):**
    - **स्वरूप:** भारतीय स्वतंत्रता का अंतिम प्रारूप, जिसे **3 जून योजना** भी कहते हैं।
    - **मुख्य प्रावधान:** भारत के लिए **विभाजन, स्वायत्तता** और **संप्रभुता**।
    - **सीमा निर्धारण: सर सिरिल रैडक्लिफ** की अध्यक्षता में एक सीमा आयोग की स्थापना।
- **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम (1947) :**
    - **परिणाम:** ब्रिटिश भारत का **भारत और पाकिस्तान** नामक दो अधिराज्यों में विभाजन।
    - **तथ्य: लॉर्ड माउंटबेटन** स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर–जनरल और **एम. ए. जिन्ना** पाकिस्तान के गवर्नर–जनरल बने।
    - **नेहरू का कथन:** स्वतंत्रता मिलने पर जवाहर लाल नेहरू ने कहा था, 'इस समय मध्य रात्रि होते ही जब संसार सो रहा है भारत जीवन और स्वतंत्रता के लिए जाग उठा था।'
- **स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महत्वपूर्ण नारे**
    - **इंकलाब जिंदाबाद: भगत सिंह**
    - **दिल्ली चलो, जय हिन्द, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा: सुभाष चंद्र बोस**
    - **करो या मरो, भारत छोड़ो: महात्मा गांधी**
    - **पूर्ण स्वराज, आराम हराम है, भारत मर जाए तो कौन बचेगा?: जवाहर लाल नेहरू**
    - **हिंदी, हिन्दू, हिंदुस्तान: भारतेंदु हरिश्चंद्र**
    - **वेदों की ओर लौटो: दयानंद सरस्वती**
    - **जय जवान जय किसान: लाल बहादुर शास्त्री**
    - **मारो फिरंगियों को: मंगल पांडे**
    - **कर मत दो: सरदार वल्लभभाई पटेल**
    - **संपूर्ण क्रांति: जय प्रकाश नारायण**
    - **विजयी विश्व तिरंगा प्यारा: श्याम लाल गुप्ता पार्षद**
    - **वन्दे मातरम: बंकिम चंद्र चटर्जी**
    - **जन गण मन: रवीन्द्रनाथ टैगोर**
    - **स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा: बाल गंगाधर तिलक**
    - **सरफरोशी की तमन्ना, अब हमारे दिल में है: राम प्रसाद बिस्मिल**
    - **सारे जहाँ से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा: मोहम्मद इकबाल**
    - **साइमन वापस जाओ: लाला लाजपत राय**
    - **सत्यमेव जयते: पंडित मदन मोहन मालवीय**
    - **जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान: अटल बिहारी वाजपेयी**

भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण व विविध तथ्य

- **स्वतंत्रता संग्राम एवं व्यक्तित्व**
    - **हिन्दू–मुस्लिम एकता का अग्रदूत: गोपाल कृष्ण गोखले (डायमंड ऑफ इंडिया)** ने **मुहम्मद अली जिन्ना** को 'हिन्दू–मुस्लिम एकता का अग्रदूत' कहा था।(गोखले, जिन्ना के मार्गदर्शक एवं गुरु भी थे)।
    - **अजातशत्रु की उपाधि:** महात्मा गांधी ने **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** को **'अजातशत्रु'** की उपाधि दी थी।
    - **बूढ़ी महिला:** गांधीवादी विचारों के लिए **मांतगिनी हाजारा** को **'बूढ़ी महिला'** कहकर सम्बोधित किया जाता था।
- **आन्दोलन और विद्रोह**
    - **भू–दान आन्दोलन:** यह आन्दोलन **आचार्य विनोबा भावे** द्वारा शुरू किया गया था।

- **महाड सत्याग्रह (1927) :** इसका आयोजन **डॉ. बी.आर. अम्बेडकर** ने किया था।
- **नमक सत्याग्रह (सविनय अवज्ञा) :** इसका नेतृत्व तमिलनाडु में **सी. राजगोपालाचारी**, मालाबार में **के कलाप्पण** और पेशावर में **सीमांत गांधी (खान अब्दुल गफ्फार खान)** ने किया था।
- **सविनय अवज्ञा आन्दोलन** के दौरान **प्रभात फेरी, वानरसेना** और **मंजरी सेना** का गठन किया गया था।
- **कंन्ध विद्रोह:** ब्रिटिशों के खिलाफ इस विद्रोह का नेतृत्व **चक्र विशोई** ने किया था।
- **पल्ली आन्दोलन:** यह आन्दोलन **तमिलनाडु** राज्य से सम्बन्धित था।

● **क्रांतिकारी गतिविधियाँ**
- **मुजफ्फरपुर बम कांड (1908):** क्रांतिकारी खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मजिस्ट्रेट डगलस किंग्सफोर्ड की हत्या करने का असफल प्रयास किया था।
- **कर्जन वायली हत्याकांड: मदन लाल ढींगडा** ने कर्जन वायली को लंदन में गोली मार दी।
- **जनरल डायर की हत्या: 13 मार्च, 1940** को **ऊधम सिंह** द्वारा लंदन में की गई थी। (ऊधम सिंह राम मुहम्मद सिंह आजाद नाम रखकर लंदन पहुंचे थे)।
- **अलीपुर बम षड्यंत्र (1908):** इसे **मणिकटोला षड्यंत्र** भी कहा जाता है, जिसमें **अरविन्द घोष, रासबिहारी बोस** और **वाघा जतिन** जैसे क्रांतिकारी शामिल थे।
- इस केस में कन्हाई लाल दत्त भी एक आरोपी थे।
- हम 'राष्ट्र को बचाने में मर भी जाएँगे' यह नारा वाघा जतिन ने दिया था। उन्होंने जर्मनी के सहयोग से अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की कल्पना की थी।
- **तांत्या टोपे की फांसी:** क्रांतिकारी **तांत्या टोपे** को **1859** में मध्य प्रदेश के **शिवपुरी** में फांसी दी गई थी।

● **संगठन और प्रकाशन**
- **पहला बैंक:** भारत में स्थापित होने वाला पहला बैंक **बैंक ऑफ हिन्दुस्तान** था।
- **नौजवान भारत सभा:** इसकी स्थापना **भगतसिंह** ने की थी।
- **पेरिस इंडिया सोसाइटी:** 1905 में गठित एक राष्ट्रवादी संगठन था।
- **निरंकारी आन्दोलन:** इसकी शुरुआत **बाबा दयाल दास** ने की थी।
- **कांग्रेस समाजवादी पार्टी (1934):** इसका गठन **जयप्रकाश नारायण** और **अच्युत पटवर्धन** ने किया था।
- **जूट मिल:** भारत में पहली **जूट मिल** 1854 में **रिशरा (पश्चिम बंगाल)** में स्थापित की गई थी।
- **सूती कपड़ा मिल:** भारत में पहली **सूती कपड़ा मिल फोर्टग्लोस्टर (कलकत्ता)** में स्थापित की गई थी।
- **जन–गण–मन:** भारत का राष्ट्रगान **27 दिसम्बर, 1911** को पहली बार **कलकत्ता अधिवेशन** में गाया गया था।
- **विश्व भारती (1921):** इसकी स्थापना **रबीन्द्र नाथ टैगोर** ने की थी।
- **पहला समाचार पत्र:** 1852 ई. में **करसनदास मुलजी** ने **विधवा पुनर्विवाह** की वकालत के लिए गुजराती में **सत्य प्रकाश** समाचार पत्र की शुरुआत की।
- **'फिलॉसाफी ऑफ बम':** इस पुस्तक के लेखकों में **भगवती चरण बोहरा** और **यशपाल** शामिल थे।
- **गोपाल हरि देशमुख** को **लोकहितवादी** के नाम से जाना जाता था।
- **स्वदेश गीतम:** यह गीत **सुब्रमण्यम भारती** ने लिखा था।

● **प्रशासनिक और संवेधानिक**
- **नेहरू रिपोर्ट (1928): लार्ड विर्किनहेंड** की चुनौती पर बनी भारतीय संविधान मसौदा समिति की अध्यक्षता **मोतीलाल नेहरू** ने की थी।
- **भारतीय दंड संहिता (1834):** इसका मसौदा **लार्ड मैकाले** द्वारा तैयार किया गया था।
- **पहला ICS: सत्येन्द्र नाथ टैगोर** भारतीय सिविल सेना (ICS) में चुने जाने वाले पहले व्यक्ति थे।
- **वायसराय की कार्यकारी परिषद में पहले भारतीय: सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा** थे।
- **बाम्बे उच्च न्यायालय:** इसकी स्थापना **1862** में हुई थी।
- **'दस्तक':** यह व्यापार के अधिकार के लिए बंगाल के नबावों द्वारा जारी किया जाने वाला एक **परमिट** था।
- **रेजीडेंट:** गवर्नर जनरल के अधीन सहायक संधि के माध्यम से किसी राज्य में रखा जाने वाला प्रतिनिधि **रेजीडेंट** कहलाता था।

● **पोस्ट–इंडिपेंडेंस**
- **हैदराबाद विलय (1948):** भारत सरकार ने **ऑपरेशन पोलो** सैन्य कार्यवाही से हैदराबाद का विलय किया था।
- **पहला गणतंत्र दिवस अतिथि:** 26 जनवरी, 1950 को मुख्य अतिथि **इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो** थे।
- **शिमला समझौता:** इस पर हस्ताक्षर **इंदिरा गांधी** और **जुल्फिकार अली भुट्टो** ने किए थे।
- **ऑपरेशन ब्लू स्टार:** इसका सम्बन्ध स्वर्ण मंदिर छापेमारी से है।

● **विदेशी प्रभाव**
- **कामागाटामारु:** यह एक **जहाज था** जिसे सिख व्यापारियों ने किराए पर लिया था और **कनाडा** के अधिकारियों ने इसे ठहरने की अनुमति नहीं दी थी। (गदर आन्दोलन शुरू होने का एक कारण)।
- **गुट निरपेक्ष आन्दोलन:** इसका पहला अधिवेशन यूगोस्लाविया के शहर **बेलग्रेड** में आयोजित किया गया था।

ब्रिटिश भारत में गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय

● **रॉबर्ट क्लाइव (1757–60 ई. एवं 1765–67 ई.)**
- उसने बंगाल में **द्वैध शासन** की शुरुआत की।
- **मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय** के साथ **इलाहाबाद की संधि (1765)** की।

● **वारेन हेस्टिंग्स (1774–85 ई.)**
- **रेगुलेटिंग एक्ट, 1773** द्वारा बंगाल का गवर्नर जनरल नियुक्त।
- उसने **द्वैध शासन को समाप्त** किया (1772)।
- उसने नई राजस्व व्यवस्था **इजारेदारी** प्रारंभ की।
- 1774 ई. में कलकत्ता में **सर्वोच्च न्यायालय** की स्थापना की गई।
- 1781 ई. में कलकत्ता में अरबी, फारसी भाषा के लिए **प्रथम मदरसा** की स्थापना की।

- विलियम जोन्स ने **1784 ई.** में **एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल** की स्थापना की।
- रोहिल्ला युद्ध (1774), प्रथम आंग्ल–मराठा युद्ध (1775–82) तथा द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1780–84) लड़े गये।
- **पिट्स इंडिया एक्ट, 1784** पारित किया गया।
- वॉरेन हेस्टिंग्स को नन्द कुमार की न्यायिक हत्या का आरोपी माना जाता है।

● लॉर्ड कार्नवालिस (1786–93 ई.)
- उसने 1793 ई. में **कॉर्नवालिस कोड** तैयार किया (शक्तियों के विभाजन पर आधारित)।
- उसे भारत में **सिविल सेवाओं के जनक** के रूप में जाना जाता है।
- उसने **1793 ई.** में **स्थायी बंदोबस्त (जमींदारी प्रथा)** की शुरुआत की।

● लॉर्ड वेलेजली (1798–1805 ई.)
- उसने **सहायक गठबंधन** की शुरुआत की।
- चौथे आंग्ल–मैसूर युद्ध (1799) में **टीपू सुल्तान की मृत्यु** हो गई।
- उसने **1800 ई.** में **फोर्ट विलियम कॉलेज** की स्थापना की।
- वह खुद को **बंगाल का शेर** कहता था।

● लॉर्ड मिंटो प्रथम (1807–13 ई.)
- **अमृतसर की संधि (1809)** पर रणजीत सिंह और चार्ल्स मेटकाफ के बीच हस्ताक्षर किए गए।
- **चार्टर अधिनियम, 1813** पारित किया गया।

● लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813–23 ई.)
- आंग्ल–नेपाल युद्ध **(संगोली की संधि, 1816)** और तृतीय आंग्ल–मराठा युद्ध (1817–18) लड़ा गया।
- उसने **पिंडारियों का दमन** किया।
- **1820 ई.** में मद्रास में **रैयतवाड़ी प्रणाली** की शुरुआत की गई थी।

● लॉर्ड विलियम बेंटिंक (1828–35 ई.)
- चार्टर अधिनियम, 1833 द्वारा **भारत के पहले गवर्नर जनरल** बने।
- **राजाराम मोहन राय** की सहायता से **सती प्रथा को समाप्त** किया (1829)।
- कर्नल स्लीमन की सहायता से **ठगी प्रथा को समाप्त किया** (1830)।
- उसे भारत में **आधुनिक पश्चिमी शिक्षा के जनक** के रूप में जाना जाता है।
- **मैकाले की अनुशंसा** पर भारत में **अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम** बनाया गया।

● चार्ल्स मेटकाफ (1835–36 ई.)
- उसे **भारतीय प्रेस के मुक्तिदाता** के रूप में जाना जाता है।

● लॉर्ड एलेनबरो (1842–44 ई.)
- **1843 ई.** में **दास प्रथा समाप्त** कर दी गई।

● लॉर्ड डलहौजी (1848–56 ई.)
- उसने **व्यपगत के सिद्धांत (हड़प नीति)** की शुरुआत की (सबसे पहले **सतारा** को हड़पा)।
- वुड्स डिस्पैच (1854) प्रस्तुत किया गया।
- भारत में **पहली रेलवे लाइनें** (बम्बई से थाणे तक) शुरू की (1853)।
- उसने **लोक निर्माण विभाग** की स्थापना की।

● लॉर्ड कैनिंग (1856–1862 ई.)
- वह भारत के अंतिम गवर्नर जनरल और **क्राउन के अधीन भारत के पहले वायसराय** थे।
- **विधवा पुनर्विवाह अधिनियम** पारित किया गया (1856)।
- **1857 का विद्रोह** हुआ।
- 1857 ई. में कलकत्ता, मद्रास तथा बम्बई में **विश्वविद्यालयों की स्थापना** हुई।
- 1860 ई. में बंगाल में **नील विद्रोह** प्रारम्भ हुआ।

● सर जॉन लॉरेंस (1864–69 ई.)
- **1865 ई.** में कलकत्ता, मद्रास तथा बम्बई में **उच्च न्यायालयों** की स्थापना की गई।
- भारत और यूरोप के बीच पहली **समुद्री टेलीग्राफ सेवा** शुरू की गई (1865)।

● लॉर्ड मेयो (1869–1872 ई.)
- ब्रिटिश शासन के दौरान पहली **जनगणना 1872 ई.** में आयोजित की गई थी।
- पोर्ट ब्लेयर में एक अफगानी द्वारा **चाकू मारकर हत्या** कर दी गई (1872)।

● लॉर्ड लिटन (1876–1880 ई.)
- उसने **1 जनवरी, 1877** को ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया को **कैसर–ए–हिंद** की उपाधि देने के लिए **दिल्ली दरबार** का आयोजन किया।
- **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (1878)** पारित किया और भारतीय समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगाए।
- **भारतीय शस्त्र अधिनियम (1878)** पारित किया (लाइसेंस अनिवार्य)।

● लॉर्ड रिपन (1880–1884 ई.)
- उसने **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को निरस्त** कर दिया (1882)।
- इसने **स्थानीय स्वशासन** की शुरुआत की और इसे भारत में **स्वशासन के जनक** के रूप में जाना जाता है।
- **1881 ई.** में भारत में पहली **नियमित जनगणना** आयोजित की गई।
- **इल्बर्ट विधेयक (1883)** पेश किया गया इसमें प्रावधान था कि भारतीय न्यायाधीश भी ब्रिटिश लोगों की सुनवाई कर सकते हैं। (यूरोपीय लोगों के विरोध के कारण वापस लिया गया)।
- फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने रिपन को **'भारत का उद्धारकर्ता'** कहा था।

● लॉर्ड डफरिन (1884–88 ई.)
- **28 दिसंबर, 1885** को **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** की स्थापना हुई।

● लॉर्ड लैंसडाउन (1888–1894 ई.)
- भारत और अफगानिस्तान के बीच **डूरंड रेखा** का सीमांकन किया गया।

● लॉर्ड कर्जन (1899–1905 ई.)
- **1902 ई.** में **पुलिस आयोग** और **विश्वविद्यालय आयोग** की स्थापना की।

- **1904 ई.** में **भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम** पारित किया गया।
- **19 जुलाई, 1905** को **बंगाल के विभाजन की घोषणा** की।
- लार्ड कर्जन ने ऐतिहासिक इमारत संरक्षण अधिनियम पारित किया था।
- आधिकारिक प्रेस गोपनीयता अधिनियम 1904 द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता पर रोक।

- **लॉर्ड मिंटो द्वितीय (1905–1910 ई.)**
  - **1909 ई.** में **मार्ले–मिंटो सुधार अधिनियम** द्वारा **मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन** व्यवस्था प्रदान की गई।
- **लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय (1910–1916 ई.)**
  - **12 दिसम्बर, 1911** को दिल्ली दरबार आयोजित हुआ और **दिल्ली भारत की राजधानी** बन गई।
- **लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916–1921 ई.)**
  - 1919 ई. में रॉलेट एक्ट पारित हुआ।
  - **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** (13 अप्रैल, 1919) हुआ।
- **लॉर्ड रीडिंग (1921–1926 ई.)**
  - **1921 ई.** में **मोपला विद्रोह** हुआ।
  - **चौरी–चौरा घटना** (05 फरवरी, 1922) हुई, जिसके बाद गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।
- **लॉर्ड इरविन (1926–1931 ई.)**
  - **गांधी इरविन समझौता** (1931) पर हस्ताक्षर हुए।
- **लॉर्ड वेलिंगटन (1931–1936 ई.)**
  - **इंडियन मिलिट्री देहरादून** की स्थापना।
  - **साम्प्रदायिक पंचाट** (1932) की घोषणा।
- **लॉर्ड लिनलिथगो (1936–1944 ई.)**
  - **भारत छोड़ो आंदोलन** की शुरुआत।
- **लॉर्ड वेवेल (1944–1947 ई.)**
  - वर्ष **1946 में कैबिनेट मिशन** भारत आया था।
- **लॉर्ड माउंटबेटन (1947–1948 ई.)**
  - **3 जून, 1947** को **भारत विभाजन की माउंटबेटन घोषणा।**
  - **स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल** बने।
- **सी. राजगोपालाचारी (1948–1950)**
  - भारत के अंतिम और **स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल** बने।

महत्वपूर्ण अभ्यास प्रश्न

1. इनमें से किस लड़ाई में अंग्रेजों ने बंगाल के नवाब, सिराज-उद्-दौला को हराया था ?
(A) 1757 में प्लासी की लड़ाई
(B) 1760 में वांडिवाश की लड़ाई
(C) 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई
(D) 1764 में बक्सर की लड़ाई

2. इनमें से कौन 'हड़प नीति' का कट्टर समर्थक था ?
(A) लॉर्ड हेस्टिंग्स (B) लॉर्ड मिंटो
(C) लॉर्ड डलहौजी (D) लॉर्ड वेलेज़ली

3. मेरठ छावनी में 1857 के सैनिक विद्रोह की शुरुआत कब हुई थी?
(A) 8 मई, 1857 (B) 11 मई, 1857
(C) 10 मई, 1857 (D) 9 मई, 1857

4. निम्नलिखित में से कौन एक भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारी नेता नहीं थे ?
(A) चन्द्रशेखर आजाद
(B) सूर्यसेन
(C) भगत सिंह
(D) गोपाल कृष्ण गोखले

5. वर्ष 1904 में, किसने क्रांतिकारियों की गोपनीय समिति के रूप में 'अभिनव भारत' का आयोजन किया था ?
(A) वी.डी. सावरकर
(B) प्रफुल्ल चाकी
(C) सचिन सान्याल
(D) रास बिहारी बोस

6. स्वामी दयानंद सरस्वती ने किस शहर में पहली बार 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी?
(A) बॉम्बे (अब मुंबई)
(B) अहमदाबाद
(C) पुणे
(D) कलकत्ता (अब कोलकाता)

7. सन् 1915-16 में किसके नेतृत्व में दो होमरूल लीग शुरू हुईं?
(A) तिलक और अरबिन्द घोष
(B) तिलक और बिपिनचन्द्र पाल
(C) तिलक और लाला लाजपत राय
(D) एनी बेसेन्ट और लोकमान्य तिलक

8. निम्न का मिलान करें–

(a)	इंडियन नेशनल आर्मी	1.	लाला हरदयाल
(b)	गदर पार्टी	2.	सुभाषचन्द्र बोस
(c)	मित्र मेला	3.	वी.डी. सावरकर
(d)	होम रूल लीग	4.	एनी बेसेन्ट

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	3	4
(D)	1	2	3	4

9. इनमें से कौन–सा क्रांतिकारी संगठन काकोरी षड्यंत्र केस में शामिल था ?
(A) हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन
(B) अभिनव भारत ग्रुप
(C) अनुशीलन समिति
(D) गदर पार्टी

10. असहयोग आंदोलन कब वापस ले लिया गया ?
(A) फरवरी, 1922 (B) मार्च, 1926
(C) मई, 1929 (D) सितंबर, 1925

11. रबीन्द्रनाथ टैगोर ने किस नरसंहार के विरोध में नाइटहुड की उपाधि लौटा दी ?
(A) जलियाँवाला बाग नरसंहार
(B) खिलाफत आंदोलन
(C) सैनिक विद्रोह
(D) असहयोग आंदोलन

12. स्वतन्त्रता सेनानियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को .... में फांसी की सजा दी गई थी।
(A) 1929 (B) 1931
(C) 1934 (D) 1939

❑❑